विमान सेवा प्रभावित

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (निस) राजधानी दिल्ली में बिगड़े मौसम और खराब विजिबिलिटी के चलते बीती रात कुल 21 फ्लाइट्स को जयपुर डायवर्ट किया गया। इसमें घरेलू से लेकर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें तक शामिल थीं। एयरपोर्ट पर देर रात तक हलचल देखी गई। इस दौरान डायवर्ट होकर पहुंचे पांच विमानों के पायलटों का ड्यूटी टाइम पूरा हो गया।

दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी www.Bharatdeshhamara.com DAILY BHARAT DESH HAMARA PATIALA

रजिस्ट्रेशन नं. पीबी/पीटीए (0273)/2024-26 PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985 वर्ष 42 अंक 107 पटियाला रविवार 19 अप्रैल 2026 मूल्य दो रुपए कुल पृष्ठ: 8 फोन : 0175-5061948, Posted at RMS Patiala E-mail:- bdhpatiala@gmail.com

उपराष्ट्रपति श्रीलंका दौरे पर

नई दिल्ली 18 अप्रैल (निस) भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन 19 से 20 अप्रैल, 2026 तक लोकतांत्रिक समाजवादी गणराज्य श्रीलंका की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह भारत के उपराष्ट्रपति की श्रीलंका की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। इस यात्रा के दौरान, उपराष्ट्रपति श्रीलंका के राष्ट्रपति महामहिम अनुरा कुमारा दिसानायका से भेंट करेंगे।

महिला आरक्षण बिल पर अब आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरु

महिला आरक्षण के जरिए सत्ता में बने रहने की साजिश विपक्ष ने बेनकाब कर दी-प्रियंका

नई दिल्ली 18 अप्रैल (निस): कांग्रेस सांसद और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, शुक्रवार को लोकसभा में जो हुआ वहां लोकतंत्र की बड़ी जीत है। मोदी सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण के जरिए सत्ता में बने रहने की साजिश कर रही थी। जिस साजिश को कल बेनकाब किया गया। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि लोकसभा में सीटें बढ़ाने के लिए आया बिल गिर गया। सत्ता पक्ष हमें महिला विरोधी कहकर मसीहा नहीं बन सकता। शुक्रवार को लोकसभा में मोदी सरकार संविधान का 131वां संशोधन बिल लेकर आई थी। लेकिन इस बिल को पास नहीं कर सकी। यह बिल 54 वोट से गिर गया। इसके जरिए संसद की 543 सीटें बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान था।महिला आरक्षण अधिनियम से जुड़ा संशोधन विधेयक के लोकसभा में गिरने को प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकतंत्र की जीत बताया है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि बिल का महिलाओं से कोई सीधा संबंध नहीं था। मोदी सरकार की मंशा कुछ और थी। यह स्थायी रूप से सत्ता में रहने का षड्यंत्र रचा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह हथकंडा अपनाकर भाजपा नेता महिलाओं का मसीहा बनाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि आपके **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

देश ने विपक्ष का असली चेहरा देख लिया-जयशंकर

नई दिल्ली 18 अप्रैल (निस): विदेश मंत्री और राज्यसभा सांसद एस जयशंकर ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लोकसभा में गिर जाने के बाद विपक्ष को घेरा। उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि आज देश ने इन दलों का असली चेहरा देख लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने वाले संविधान संशोधन को रोककर विपक्ष ने महिलाओं के वैध अधिकारों से उन्हें वंचित कर दिया है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयशंकर ने कहा कि आज देश की महिलाएं और पूरा राष्ट्र इस घटनाक्रम को देख रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि 'नारी शक्ति' का जो अपमान हुआ है, उसे कभी माफ नहीं किया जाएगा। लोकसभा में संविधान विधेयक, 2026 के जरूरी दो-तिहाई बहुमत से पारित नहीं हो सका। शुक्रवार को हुए मतदान में 528 सदस्यों में से 298 ने विधेयक के पक्ष में और 230 ने विरोध में मतदान किया, लेकिन यह दो-तिहाई बहुमत से पारित नहीं हो सका और सरकार को करीब 54 वोटों की कमी रह गई।

नारी शक्ति की उड़ान को रोका गया, विपक्ष को उनके पाप की सजा अवश्य मिलेगी-पीएम मोदी

आरक्षण बिल पास न होने पर पीएम ने माफी मांगी, कहा-विपक्ष को जवाबदेह बनना पड़ेगा

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (निस)प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण बिल के लोकसभा में पारित न हो पाने पर देश की महिलाओं से माफी मांगी है। अपने संबोधन में उन्होंने बिल की विफलता के लिए कांग्रेस समेत विपक्षी दलों की स्वार्थी राजनीति को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि नारी शक्ति की उड़ान को रोक दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्र के नाम अपना संबोधन दिया। इस दौरान उन्होंने देश की माताओं और बहनों के समक्ष अपना पक्ष रखा। प्रधानमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि मैं माताओं और बहनों से बात करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति की उड़ान को विपक्ष के द्वारा रोक दिया गया। उन्होंने देश की महिलाओं से माफी भी मांगी और कहा कि हम अपने प्रयास में सफल नहीं हो सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं आज यहां देश की माताओं, बहनों और बेटियों से बात करने आया हूं। उन्होंने आगे कहा कि हम महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने में सफल नहीं हो सके। अफसोस जताते हुए उन्होंने कहा कि मैं देश की माताओं और बहनों से तहे दिल से माफी मांगता हूं। प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों की भी आलोचना की और उन पर विधेयक को रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने विधेयक की विफलता के लिए कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और सपा सहित विभिन्न दलों की स्वार्थी राजनीति को जिम्मेदार ठहराया। मोदी ने महिला आरक्षण विधेयक की विफलता को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना की और उन पर जनहित से ऊपर राजनीति रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों की संकीर्ण और स्वार्थी राजनीति के कारण देश की माताओं और बहनों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कुछ विपक्षी समूहों ने विधेयक के गिरने का जश्न मनाया और कहा कि विधेयक के गिरने पर ये वंशवादी दल तालियां बजा रहे थे।

नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण विधेयक की विफलता को लेकर विपक्षी दलों पर अपना हमला तेज करते हुए उन पर महिलाओं की गरिमा और अधिकारों को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने महिलाओं के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं को उनके उचित अवसर से वंचित करके विपक्षी दल एक तरह से अपनी ही प्रशंसा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष ने महिलाओं का अपमान किया है, देश की महिलाएं इसे कभी **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

तमिलनाडु में सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत

चैन्नई, 18 अप्रैल (निस) तमिलनाडु के सेलम जिले में शनिवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया। सेलम-कोयंबटूर नेशनल हाईवे पर एक सरकारी बस के अनियंत्रित होकर कई वाहनों से टकराने और खाई में गिरने से कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में सभी केरल के निवासी और पेशे से शिक्षक बताए जा रहे हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस कोयंबटूर से सेलम की ओर जा रही थी। रास्ते में 13वें हेयरपिन मोड़ पर चालक बस से नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद बस सड़क से उतर गई। अनियंत्रित बस ने पहले एक दोपहिया वाहन और एक ऑटो-रिक्शा को टक्कर मारी, जिनमें करीब 10 लोग सवार थे। इसके बाद बस नीचे की ओर फिसलते हुए 9वें हेयरपिन मोड़ के पास खाई में गिर गई।बस में पेरिनथलमान्ना से आए 13 पर्यटक सवार थे। इनमें से 8 लोगों (1 पुरुष और 7 महिलाएं) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में बस चालक, दो किशोर और दो महिलाएं शामिल थीं। सभी घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान एक और व्यक्ति की मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 9 हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

तमिलनाडु में चुनाव प्रचार में मोदी सरकार पर कांग्रेस का प्रहार

तमिलनाडु की संसद में आवाज दबाना चाहती थी सरकार-राहुल

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (निस) लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि परिसीमन से जुड़े हालिया संसदीय कदम का उद्देश्य संसद में तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व को कम करना है। तिरुवल्लूर जिले के पोन्नेरी में जनसभा को संबोधित कर राहुल गांधी ने इस कदम को दक्षिणी राज्यों को प्रभावित करने वाली व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा बताया। क्षेत्रीय चिंताओं का जिक्र कर उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा राज्य की पहचान को निशाना बनने में जुटे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि स्वाभाविक रूप से, वर्षों से मेरा तमिलनाडु के लोगों के साथ रिश्ता रहा है। मेरा जन्म तमिलनाडु में नहीं हुआ है, और मेरा परिवार भी तमिलनाडु से नहीं है, फिर भी मैं खुद को तमिलनाडु का ही मानता हूँ। आरएसएस और भाजपा तमिलनाडु, तमिल भाषा और तमिल संस्कृति को खत्म करने में जुटे हैं। मुझे आश्चर्य होता है कि इन लोगों की हिम्मत कैसे हुई तमिलनाडु की तमिल भाषा और संस्कृति पर हमला करने की।

शुक्रवार को संसद में हुए घटनाक्रम पर राहुल गांधी ने दावा किया कि इस विधेयक के पीछे एक गुप्त उद्देश्य छिपा है। उन्होंने कहा कि कल संसद में उन्होंने एक नया विधेयक पेश किया। उन्होंने इस बिल को महिला विधेयक बताया, लेकिन वह बिल 2023 में ही पारित हो चुका था। लेकिन उस विधेयक के पीछे छिपा एजेंडा परिसीमन करना था। इसका मकसद भारत की संसद में तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व को कम करना और दक्षिणी तथा छोटे राज्यों को कमजोर करना था। उन्होंने कहा कि भारत राज्यों का संघ है, जहाँ प्रत्येक राज्य को समान स्थान मिलना चाहिए। संघ में प्रत्येक राज्य की आवाज होनी चाहिए और उस अपनी भाषा बोलने और अपनी परंपरा की रक्षा करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। शासन के तरीके की आलोचना कर उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री एक राष्ट्र, एक नेता, एक भाषा, एक जनता की बात करते हैं, तब वे भारत के संविधान पर हमला कर रहे होते हैं।

महिला आरक्षण बिल गिराने की विपक्षी दलों को भारी कीमत चुकानी होगी-किरण रिजिजू

नई दिल्ली 18 अप्रैल (निस) महिला आरक्षण विधेयक के लोकसभा में पारित न होने के बाद, मोदी सरकार को 2014 के बाद पहली बार संसद में विधायी विफलता का सामना करना पड़ा। इसके एक दिन बाद, शनिवार को केंद्र सरकार ने विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस पर पलटवार कर कहा कि शुक्रवार को जो हुआ, इससे कांग्रेस की महिला-विरोधी मानसिकता साफ दिखाती है। मोदी सरकार की ओर से केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जोरदार हमलाकर कहा कि विपक्ष को इसके लिए लोकतांत्रिक रूप से दंडित किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि बजट सत्र आधिकारिक तौर पर समाप्त हो गया है। यह एक अत्यंत फलदायी बजट सत्र रहा। केंद्रीय बजट सफलतापूर्वक पारित हो गया। दूसरे सत्र में, प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों सदनों में पश्चिम एशिया के संकट पर बयान दिया। बजट सत्र को तीन दिनों के लिए 16, 17 और 18 अप्रैल तक बढ़ाया गया था। इन तीन दिवसीय विशेष सत्रों के दौरान, नारी शक्ति वंदन अधिनियम और परिसीमन संशोधन विधेयक पेश किए। हमारे पास बहुमत है, लेकिन संविधान संशोधन के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल सका, इसलिए यह विधेयक पारित नहीं हो सका। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि लोकसभा में विधेयक के विफल होने से केंद्र सरकार निश्चित रूप से निराश है।

महिला शक्ति से घबरा कर विपक्ष ने आरक्षण बिल पास न होने दिया-विज

अम्बाला, 18 अप्रैल (रवि पाहुजा) : हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े बिल के 54 वोटों से गिरने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्षी पार्टियों के पुरुष, महिलाओं की शक्ति से घबरा गए और घबराकर उन्होंने बिल गिरवा दिया जबकि ये बिल सारे हिंदुस्तान के पक्ष में था। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह बिल महिलाओं को हक देने का बिल था और परिसीमन का बिल था क्योंकि लोकसभा की सीटें 1976 में जितनी थी आज भी उतनी ही है और 1976 में देश में 56 करोड़ जनसंख्या थी जोकि आज बढ़कर 145 करोड़ हो गई है। 172 सीटे तो ऐसी है जिनकी जनसंख्या 20 लाख से ज्यादा है। तो यह एक सांसद/ प्रतिनिधि के लिए सभी की समस्या सुनना व हल करना मुमकिन नहीं है। इसलिए इसे बराबर करना बहुत आवश्यक था लेकिन विपक्ष ने जनहित के काम को इकट्ठे होकर इसको गिरवा दिया।

केबिनेट मंत्री अरोड़ा के घर व अन्य ठिकानों पर ईडी की कार्यवाही जारी, दस्तावेज जब्त

चंडीगढ़, 18 अप्रैल (निस) पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के घर और व्यापारिक ठिकानों पर ईडी की छापेमारी शुक्रवार सुबह से जारी है, जिसे करीब 26 घंटे हो चुके हैं। जानकारी के मुताबिक यह छापेमारी जिला लुधियाना, जालंधर, गुरुग्राम और चंडीगढ़ समेत कुल 13 ठिकानों पर की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक लुधियाना के गुरदेव नगर स्थित मंत्री के घर के बाहर केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात हैं, जबकि ईडी के अधिकारी अंदर जांच कर रहे हैं। इस दौरान घर में किसी भी तरह की आवाजाही पर रोक है। छापेमारी में कई अहम दस्तावेज, मोबाइल फोन, लैपटॉप और डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। इसके अलावा दिल्ली स्थित सरकारी आवास, निजी घर, कंपनी के दफ्तरों और करीबियों के ठिकानों पर भी तलाशी ली जा रही है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के के हवाले से बताया गया है कि ईडी की यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत की जा रही है। शुरुआती जानकारी में यह भी सामने आया है कि मंत्री पर राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर पंजाब में अवैध सट्टेबाजी नेटवर्क को संरक्षण देने और उससे मुनाफा लेने का संदेह जताया जा रहा है।

मोदी केबिनेट की बैठक में केन्द्रीय कर्मियों का महंगाई भत्ता बढ़ा

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (निस) मोदी मंत्रिमंडल की कैबिनेट बैठक के बाद सूत्रों के अनुसार, मंत्रिमंडल ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) में 2 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। महंगाई भत्ता मुद्रास्फीति से जुड़ा हुआ है और साल में दो बार, आमतौर पर जनवरी और जुलाई में, इसमें संशोधन होता है। इसकी गणना औद्योगिक श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) के आधार पर होती है, जिसे श्रम मंत्रालय के अधीन श्रम ब्यूरो द्वारा हर महीने जारी किया जाता है। हालांकि, इस बार घोषणा में देरी हुई। केंद्रीय सरकारी कर्मचारी एवं श्रमिक संघ (सीसीजीईडब्ल्यू) ने चिंता जताकर कहा कि आमतौर पर वृद्धि की घोषणा सितंबर के अंत में होती हैं, और बकाया राशि का भुगतान अक्टूबर की शुरुआत में होता है।

दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता, राजधानी को दहलाने की तैयारी में जुटे 4 युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली 18 अप्रैल (निस) दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने 4 युवकों को गिरफ्तार कर बड़ी आतंकी साजिश नाकाम की है। ये युवक ईडी बनाने का सामान जुटा रहे थे और गजवा-ए-हिंद जैसी कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित थे। सोशल मीडिया पर सक्रिय ये आरोपी लाल किले जैसी जगहों की रेकी भी कर चुके थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चार ऐसे युवकों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि ये युवक देश में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे। हालांकि उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें दबोज लिया। इन चारों आरोपियों को अलग-अलग राज्यों महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से ईडी बनाने का सामान और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी जांच जारी है। पुलिस के मुताबिक ये सभी युवक कट्टरपंथी सोच से प्रभावित थे और नफरत करने के मकसद से काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि ये लोग गजवा-ए-हिंद जैसे खतरनाक विचारों को बढ़ावा दे रहे थे और इसके लिए दूसरों को भी उकसा रहे थे, ताकि अपने नापाक मंसूबों को पूरा कर सकें। जांच में सामने आया है कि ये आरोपी सोशल मीडिया के गुप्त (क्लोज्ड) ग्रुप्स में जुड़े हुए थे, जहां आतंकी विचारधारा, जिहाद और हथियारों की बात होती थी। जांच में पता चला कि इन ग्रुप्स के जरिए ये लोग नए लोगों को जोड़ने और उन्हें भड़काने का काम कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक इनमें से दो आरोपी मिलकर एक रिमोट कंट्रोल ईडी (बम) बनाने की तैयारी कर रहे थे। इसके लिए जरूरी सामान जैसे बॉल बेयरिंग, कील, खिलौना कार आदि जुटाए जा चुके थे। जांच में यह भी पता चला कि एक आरोपी ने दिसंबर 2025 में दिल्ली आकर लाल किला और इंडिया गेट जैसी महत्वपूर्ण जगहों की रेकी (जांच) की थी। उसने सोशल मीडिया पर लाल किले की फोटो के साथ आपत्तिजनक पोस्ट भी शेयर की थी, ताकि लोगों को भड़काया जा सके। गिरफ्तार युवकों में से एक सोशल मीडिया के जरिए पैसे (क्राउड फंडिंग) जुटा रहा था, जबकि दूसरा हथियार चलाने और ट्रेनिंग दिलाने का वादा कर रहा था। इसके लिए लोगों से पैसे भी मांगे जा रहे थे। चारों आरोपी साधारण परिवारों से आते हैं और ज्यादातर 10वीं तक पढ़े हुए हैं। जांच में पता चला कि इनमें से कोई मैकेनिक है, कोई सिक्योरिटी गार्ड, तो कोई प्लंबर का काम करता है।

मणिकर्ण में लैंडस्लाइड, मलबा वाहनों पर गिरा

शिमला, 18 अप्रैल (निस) हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला के मणिकर्ण में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इसका मलबा और चट्टानें सड़क से गुजर रही गाड़ी पर गिरीं, इससे कई गाड़ी चकनाचूर हो गई। गनीमत यह रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। लैंडस्लाइड की यह घटना बरशैणी घट्टीगढ़ पॉइंट की है। बताया जा रहा है कि पहाड़ी से पहले थोड़ा मलबा गिरा। इसके बाद ड्राइवर गाड़ी से बाहर भागा। देखते ही देखते बड़ी-बड़ी चट्टानें भी गाड़ी पर गिरने लगी। बता दें कि, प्रदेश में अप्रैल में सामान्य से 52 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। इससे कई जगह लैंडस्लाइड की घटनाएं देखने को मिल रही हैं।

बीती रात में भी राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश हुई। सलापड़ में सबसे ज्यादा 21.0 मिमी, सलूणी 18.3 मिमी, कुकुमसैरी 14.4, सांगला 7.8, कल्पा 5.2, सराहन 3.0, भरमौर 2.0, सियोबाग 1.8 और जोगेंद्रनगर में 1.0 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य के कई भागों में रविवार को भी बारिश जारी रहने के आसार है।

मुख्यमंत्री ने सड़क निर्माण विभाग की विशेष बैठक ली...

पश्चिम एशिया संकट कारण तारकोल की कमी से सड़क निर्माण कार्य प्रभावित न हो-सीएम सैनी

चंडीगढ़, 18 अप्रैल(अमृतपाल सिंह) मीडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण तारकोल की कमी व इसकी बढ़ी कीमतों के कारण सड़क निर्माण व मरम्मत के कार्य बाधित न हों, इसके लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों के अनुरोध पर अगले 6 माह के लिए इंपोर्टिड तारकोल के इस्तेमाल को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज हरियाणा सिविल सचिवालय में सड़क निर्माण व रखरखाव से संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने वित्त वर्ष 2025-26 में किए गए सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और वित्त वर्ष 2026-27 में किए जाने वाले कार्यों के संबंध में विभागों के लक्ष्यों पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पीडब्ल्यूडी (बीएंडआर), हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, जिला परिषद/पंचायती राज, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, एचएसआईडीसी, शहरी स्थानीय निकाय तथा पीएमडीए, जीएमडीए, एसएमडीए सहित अन्य विभागों के सड़क निर्माण से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि 28 फरवरी को जहां तारकोल के दाम 46402 रुपये प्रति मीट्रिक टन थे वहीं 1 अप्रैल को यह 76152 रुपये प्रति मीट्रिक टन हो गए हैं। तारकोल की आपूर्ति करने वाली आईओसीएल ने इसकी आपूर्ति 50 प्रतिशत तक प्रभावित होने की सूचना दी है। ऐसी परिस्थिति में केंद्र सरकार ने इंपोर्टिड तारकोल के इस्तेमाल की मंजूरी दी है। इस पर मुख्यमंत्री ने हरियाणा में भी 6 माह के लिए इंपोर्टिड तारकोल का इस्तेमाल करने की मंजूरी प्रदान की ताकि सड़क निर्माण व मरम्मत के कार्य प्रभावित न हों।मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता की सुविधा के लिए सड़कों का अच्छी हालत में होना आवश्यक है। संबंधित विभाग सभी जिलों में सड़कों के गड्ढे भरवाने तथा अन्य मरम्मत कार्यों के लिए पैच वर्क मशीनों का इस्तेमाल करें ताकि सड़कों की रिपेयर जल्द हो सके। पीडब्ल्यूडी (बीएंडआर) द्वारा इन मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, अन्य विभाग भी इन मशीनों के लिए पीडब्ल्यूडी से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि टूटी सड़कों से आमजन को परेशानी होती है जिसे किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर विभाग अपने कार्यों की मासिक प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से उनके पास भिजवाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि 'म्हारी सड़क' एप पर आमजन द्वारा क्षतिग्रस्त सड़कों की शिकायत की जाती है। इन सभी शिकायतों पर भी त्वरित कार्रवाई करते हुए इनका समाधान करवाया जाए। जिन सड़कों की मरम्मत की जिम्मेदारी इनका निर्माण करने वाली कंपनी की होती है, आवश्यक मरम्मत कार्य त्वरित गति से करवाए जाएं।मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 में सड़क निर्माण हेतु जो लक्ष्य निर्धारित किए गए थे उन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

सम्पादकीय

महिला आरक्षण संशोधन बिल में अपने ही बिछाए जाल में फंसी सरकार?

महिला आरक्षण को लेकर हालिया राजनीतिक घटनाक्रम ने भारतीय लोकतंत्र के कई अहम सवालों को केंद्र में लाकर खड़ा कर दिया है। 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के नाम से पहचान मिली। इस बिल को लागू करने में सरकार ने सुनयोजित रूप से देरी की। संसद से बिल पास होने के बाद सरकार ने अधिसूचना तक जारी नहीं की थी। बिल में प्रावधान था की जनगणना और परिसीमन के बाद इसे लागू किया जाएगा। पिछले 3 साल में सरकार ने इसका कोई प्रयास नहीं किया। पांच राज्यों के जब चुनाव चल रहे, तब अचानक महिला आरक्षण बिल की आड़ में परिसीमन के अधिकार सरकार अपने हाथ में लेना चाह रही थी। इसके लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया गया। सरकार ने विपक्ष को महिला बिल की आड़ में भ्रमित करने का प्रयास किया था। विपक्ष इसको समझ गया। पिछले 12 साल में पहली बार विपक्ष एकजुट हुआ। सरकार द्वारा अचानक संशोधन बिल लाकर उसे पास कराने की कोशिश की। सरकार को ओवर कॉन्फिडेंस था। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अभी मतदान होना शेष हैं, ऐसे समय विपक्ष चाह कर भी इसका विरोध नहीं कर पाएगा। सरकार की यह मंशा पूरी नहीं हुई, उल्टा सरकार बुरी तरह से घिर गई है। लोकसभा में आवश्यक बहुमत के अभाव में बिल का अटक जाना, सरकार की रणनीति और भविष्य की राजनीति को लेकर सरकार ने बहुत बड़ा जोखिम उठा लिया है। सरकार ने 2023 मे जब इस विधेयक को पारित कराया था, उसमें प्रावधान था। आरक्षण लागू करने के पूर्व जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद महिला आरक्षण लागू किया जाएगा। पिछले तीन वर्षों में सरकार ने जनगणना का काम शुरू नहीं किया। जब तक जनगणना नहीं होगी तब तक परिसीमन को लेकर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो सकती है। जब मूल कानून की अधिसूचना जारी नहीं हुई, तब उसमें संशोधन लाना ही नियमानुसार नही था। यह स्वाभाविक था, विपक्ष इस पर आपत्ति दर्ज कराए। सरकार क्या स्वयं चाहती थी कि महिला आरक्षण लागू नहीं किया जाए। इसका मुख्य कारण विपक्षी दलों द्वारा जातिगत जनगणना की मांग कर जाति के आधार पर महिला आरक्षण की मांग करना। संसद में हुई बहस ने एक महत्वपूर्ण तथ्य उजागर किया है, वो यह कि विपक्ष महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है। विपक्ष आरक्षण की शर्तों और प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा है। विपक्ष की मांग थी, सरकार वर्तमान सांसदों की संख्या के आधार पर ही महिला आरक्षण लागू करे। विपक्ष महिला आरक्षण अनिश्चित काल तक टालने का शुरू से ही विरोध करता रहा है। इसके विपरीत सरकार परिसीमन को अनिवार्य शर्त बनाकर इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहती है। जिससे संदेह पैदा हुआ, सरकार महिला आरक्षण के मुद्दे को राजनीतिक लाभ के लिए महिला आरक्षण बिल से जोड़कर तीन संशोधन विधेयक लेकर आई। जिसके कारण विपक्ष काफी आक्रामक हो गया। मतदान मे सरकार को दो-तिहाई बहुमत न मिलना इस बात का संकेत है, संसद में सरकार और विपक्ष के बीच में सहमति का अभाव है। 298 मत समर्थन में और 230 मत विरोध में पड़ना बताता है, मुद्दा केवल संख्या का नहीं, बल्कि विश्वास और पारदर्शिता का भी है। पिछले एक दशक में शायद ही ऐसा अवसर आया हो, जब विपक्ष इतनी एक जुटता के साथ सरकार को चुनौती देता हुआ नजर आया हो। यह घटनाक्रम महिला आरक्षण विधेयक तक सीमित नहीं है। भविष्य में इसके दूरगामी राजनीतिक परिणाम भी होंगे। देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता के कारण जन असंतोष बढ़ रहा है। ऐसे में महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर अस्पष्टता और जल्दबाजी से लिया गया निर्णय भविष्य में सरकार की मुश्किलें बढ़ा सकता है। सत्ता पक्ष इसे विपक्ष की नकारात्मक राजनीति के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। सच्चाई यह है, लोकतंत्र में कानून निर्माण केवल बहुमत का खेल नहीं है। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच में सहमति और विश्वास जरूरी होता है। सरकार हमेशा एक बात को भूल जाती है। सरकार से ज्यादा समर्थन विपक्ष के पास होता है। विपक्ष हमेशा बिखरा हुआ होता है, जिसके कारण वह सत्ता के सिंहासन पर नहीं पहुंच पाता है। सरकार बिना विपक्ष के सहयोग के आगे नहीं बढ़ सकती है। इस बात का ध्यान भी सरकार को रखना होता है। सरकार वास्तव में महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्ध है। उसे पारदर्शी तरीके से जनगणना, परिसीमन और आरक्षण की प्रक्रिया को स्पष्ट और तय समय सीमा में लागू करना होगा। आगामी विधानसभा चुनावों में यह मुद्दा निश्चित रूप से राजनीतिक बहस का केंद्र बनेगा, खासकर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है, सरकार और विपक्ष को मिलकर इस ऐतिहासिक पहल को वास्तविकता में बदलना होगा। महिला आरक्षण का जिन्न बोतल से बाहर आ चुका है। इसे दबा पाना किसी भी राजनीतिक दल के लिए संभव नहीं है। यह सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का मामला है। इस टकराव का समाधान सहमति और गंभीरता से निकाला जाना ही देश हित में होगा।

युवा पीढ़ी को शिक्षा, कौशलता विकास अस्त्र से सशक्त करना जरुरी

-किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर किसी भी देश की संपन्नता, सफलता, उच्चस्तरीय अर्थव्यवस्था और हर क्षेत्र में मज़बूत पकड़ रखने की नींव के पहियों में से एक सबसे मज़बूत और महत्वपूर्ण आधारस्तंभ शिक्षा व कौशलता विकास है,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि शिक्षा और कौशलता विकास सफलता, संपन्नता सहित सभी क्षेत्रों की एक ऐसी चाबी है जिससे सफलता के द्वार खुलते हैं क्योंकि शिक्षा व कौशलता ग्रहण करने के बाद ही वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, अविष्कारक सहित नवोन्मेष, नवाचारों के प्रणेता बनने की और देश सेवा कर अपने देश के विकास करने का अवसर मिलता है। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो हम सभी जानते हैं कि भारत की 68 फ़ीसदी जनसंख्या युवा है और भारत एक युवा देश है इसको ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा नीति 2020 बनाई गई है जिसके आधार पर वर्तमान समय में शैक्षणिक नीतियां, रणनीतियां व रणनीतिक रोडमैप बनाकर क्रियान्वयन किया जा रहा है जिसका परिणाम हमें आने वाले कुछ वर्षों में विस्तृत स्तर पर दिखेगा, क्योंकि इस एनईपी - 2020 में युवाओं और प्रौढ़ शिक्षा के अनेक स्तरों पर रणनीतिक रोडमैप बनाने के द्वार खोले गए हैं,जिसका क्रियान्वयन उसीके अनुरूप करने की विशेष ज़रूरत है क्योंकि किसी भी रणनीतिक रोडमैप को उसके कार्यक्रम के अनुसार क्रियान्वयन किए जाए, तो सीमित संसाधनों से भी अनुकूल सबसे बड़ा सकारात्मक परिवर्तन हो सकता है। साथियों बात अगर हम वर्तमान युग में युवा पीढ़ी को शिक्षा, कौशलता विकास के अस्त्र से सशक्त करने की करें तो आज के नए डिजिटल भारत में युवा पीढ़ी देश के नेशन बिल्डर हैं।शिक्षा की बेहतर गुणवत्ता के साथ युवाओं की क्षमता का विस्तार वैश्विक स्तर की उच्च शिक्षा के अनुरूप करने की ज़रूरत है जिससे हमारे भारत का भविष्य सशक्त होगा क्योंकि शिक्षा के मज़बूत अंतरराष्ट्रीय स्तर के ढांचे से निकलने के बाद हमारे युवा वैश्विक स्तरपर श्रेष्ठ वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर, अविष्कारक की भूमिका में होंगे जिस पर देश में नवाचार, नवोन्मेष, डिजिटल प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष की क्रांति आएगी और हर स्तरपर हर क्षेत्र में हमारे युवा उस क्षेत्र के विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं देंगे तो हमारा विज़न

2047, विज़न 5 ट्रिलियन डॉलर,विज़न आत्मनिर्भर भारत के स्वप्नों को उसकी डेट लाइन से कहीं बहुत अधिक समय पहले हम पहुंचजाएंगे। बस, जरूरत है संकल्प, जांबाज़ी और ज़ज्बे से अपने शिक्षा व कौशलता के स्तर को अपने अनुरूप बनाने में जुट जाने की। साथियों बात अगर हम केंद्र और राज्य सरकार द्वारा होली के विभिन्न योजनाओं की करें तो करें तो शिक्षा, उन्नति और प्रोत्साहन के लिए अनेक द्वार खोले गए हैं उसके लिए बज़ट एलोकेशन भी किए गए हैं परंतु बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं है बजट को यदि ठीक से क्रियान्वित किया जाए तो सीमित संसाधनों से भी बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है!बस,जरूरत है हमें कुछ कर गुजरने के संकल्प लेने की

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा शिक्षा और कौशलता विकास क्षेत्रों पर केंद्रीय बजट 2025 के सकारात्मक प्रभाव पर एक वेबीनार को संबोधन करने की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने बजट 2025 में शामिल पांच पहलुओं पर विस्तार से बताया। सबसे पहले, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को व्यापक बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं यानी शिक्षा क्षेत्र की बढ़ी हुई क्षमताओं के साथ बेहतर गुणवत्ता के साथ शिक्षा का विस्तार करना। दूसरा, कौशल विकास पर जोर दिया गया है। एक डिजिटल कौशल इको-सिस्टम बनाने, उद्योग की मांग के अनुसार कौशल विकास और बेहतर उद्योग संपर्क बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। तीसरा, भारत के प्राचीन अनुभव तथा शहरी तथा योजना एवं डिजाइनिंग के ज्ञान को शिक्षा में शामिल करना महत्वपूर्ण है। चौथा, अंतर्राष्ट्रीयकरण पर बल दिया गया है। इसमें विश्व स्तर के विदेशी विश्वविद्यालयों का आगमन और गिफ्ट सिटी के संस्थानों को फिनटेक से संबंधित संस्थान सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है। पांचवां, एनिमेशन विजुअल इफेक्ट्स गेमिंग कॉमिक (एवीजीवी) पर ध्यान केंद्रित करना, जहां रोजगार की अपार संभावनाएं हैं और जो एक बड़ा वैश्विक बाजार है। उन्होंने कहा, इस बजट से राष्ट्रीय शिक्षा नीति को साकार करने में काफी मदद मिलेगी।उन्होंने राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में युवा पीढ़ी के महत्व पर जोर देते हुए संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा,हमारी आज की युवा पीढ़ी, देश के भविष्य की कर्णधार है, वही भविष्य के नेशन बिल्डर्स हैं। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को एंपावरिंग करने का मतलब है, भारत के भविष्य को एंपावर करना। उन्होंने कहा, आत्मनिर्भर भारत के लिए वैश्विक प्रतिभा की मांग के दृष्टिकोण से गतिशील कौशल महत्वपूर्ण है। उन्होंने रोजगार की बदलती भूमिकओं की मांगों के अनुसार देश के जनसांख्यिकीय लाभांश को तैयार करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इसी सोच को ध्यान में रखते हुए बजट में स्किलिंग एंड लाइवलीहुड और ई-स्किलिंग लैब के लिए डिजिटल इको-सिस्टम की घोषणा की गई थी।उन्होंने कहा कि कई राज्यों में स्थानीय भाषाओं में चिकित्सा और तकनीकी शिक्षा भी दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने स्थानीय भारतीय भाषाओं में डिजिटल प्रारूप में सर्वोत्तम सामग्री बनाने में गति लाने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी सामग्री इंटरनेट, मोबाइल फोन, टीवी और रेडियो के माध्यम से उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने सांकेतिक भाषाओं में सामग्री के संबंध में काम को प्राथमिकता के साथ जारी रखने की आवश्यकता को दोहराया।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि युवा पीढ़ी देश के नेशन बिल्डर हैं युवा पीढ़ी को शिक्षा कौशलता अस्त्र से सशक्त करना भारत के भविष्य का को सशक्त करना है!! शिक्षा की बेहतर गुणवत्ता के साथ युवाओं की क्षमता का विस्तार वैश्विक स्तर की उच्च शिक्षा के अनुरूप करना वर्तमान में डिजिटल भारत की ज़रूरत है।

अक्षय तृतीया पर्व है लोक से लोकोत्तर की दिव्य यात्रा

- ललित गर्ग

(अक्षय तृतीया- 19 अप्रैल, 2026)

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा में विशेष महत्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर-दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। अक्षय शब्द का अर्थ है कभी न खत्म होने वाला। संस्कृत में, अक्षय शब्द का अर्थ है 'समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता', जबकि तृतीया का अर्थ है 'चंद्रमा का तीसरा चरण'। इस त्यौहार के साथ-साथ एक अबूझा मांगलिक एवं शुभ दिन भी है, जब बिना किसी मुहूर्त के विवाह एवं मांगलिक कार्य किये जा सकते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मांगलिक ढांचों में ढले अक्षय तृतीया पर्व में हिन्दू-जैन धर्म, संस्कृति एवं परम्पराओं का अनूठा संगम है। इस प्रकार अक्षय तृतीया पर किए गए कार्यों जैसे जप-तप, यज्ञ, पितृ-तर्पण, दान-पुण्य आदि का साधक को अक्षय फल प्राप्त होता है। भगवान आदिनाथ ने ही सबसे पहले समाज में दान का महत्व समझाया था, इसलिए इस दिन पर जैन धर्म के लोग आहार दान, ज्ञान दान, औषधि दान करते हैं। रास्ते चाहे कितने ही भिन्न हों पर इस पर्व त्यौहार के प्रति सभी जाति, वर्ग, वर्ण, सम्प्रदाय और धर्मों का आदर-भाव अभिन्नता में एकता का प्रिय संदेश दे रहा है। आज के युद्ध, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा एवं अशांति के समय में संयम एवं तप की, भौतिकता एवं आध्यात्मिकता की अक्षय परम्परा को जन-जन की जीवनशैली बनाने की जरूरत है। अक्षय तृतीया यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय चेतना की उस अखंड धारा का प्रतीक है, जो जीवन को क्षणभंगुरता से उठाकर 'अक्षयता' की ओर ले जाती है। 'अक्षय' अर्थात् जो कभी क्षीण न हो, जो निरंतर प्रवहमान रहे, ऐसी ही भावना का यह पर्व है, जो हमारे लौकिक व्यवहार से लेकर लोकोत्तर साधना तक, हर स्तर पर गहन अर्थ रखता है। यह दिन केवल शुभारंभ

का नहीं, बल्कि आत्मारंभ का भी दिन है। भारतीय परंपरा में अक्षय तृतीया को 'अबूझ मुहूर्त' कहा गया है-अर्थात् ऐसा समय, जिसमें किसी विशेष गणना या ज्योतिषीय विचार की आवश्यकता नहीं होती। यह स्वयं ही शुभता का पर्याय है। यही कारण है कि इस दिन विवाह, गृहप्रवेश, व्यापारारंभ जैसे अनेक मांगलिक कार्य बिना किसी संकोच के सम्पन्न किए जाते हैं। यह विश्वास केवल आस्था नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक अनुभव का परिणाम है, जिसने इस दिन को 'सर्वसिद्धिदायक' मान्यता प्रदान की है। लौकिक दृष्टि से देखें तो अक्षय तृतीया भारतीय अर्थव्यवस्था और श्रम-संस्कृति से गहराई से जु?ी हुई है। यह दिन किसानों के लिए नई आशा का संदेश लेकर आता है। प्राचीन काल में राजाओं द्वारा श्रेष्ठ किसानों को बीज भेंट करने की परंपरा केवल सम्मान का प्रतीक नहीं थी, बल्कि कृषि को राष्ट्र की आत्मा मानने का सजीव प्रमाण थी। यह विश्वास कि इन बीजों से उत्पन्न अन्न कभी समाप्त नहीं होगा, दरअसल उस श्रम और प्रकृति के समन्वय पर आस्था थी, जो भारतीय जीवन का आधार है। कुम्हारों, शिल्पकारों, पशुपालकों- विशेषकर बैलों के लिए भी यह दिन विशेष महत्व रखता है। यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि सृजन, श्रम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ही समृद्धि का वास्तविक आधार है। किन्तु अक्षय तृतीया का वास्तविक सौंदर्य उसके लोकोत्तर आयाम में प्रकट होता है, जहाँ यह पर्व आत्मशुद्धि, तप और साधना का महापर्व बन जाता है। जैन परंपरा में यह दिन विशेष रूप से पूज्य है, क्योंकि इसका संबंध प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋ्षभदेव के जीवन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना से जु?ा हुआ है। यह वह दिन है, जब दीर्घकालीन तपस्या के उपरांत उनका पारणा हुआ, एक ऐसा क्षण, जिसने तप को तृप्ति और साधना को पूर्णता प्रदान की।कथा के अनुसार, जब भगवान ऋ्षभदेव ने राजपाट त्यागकर संन्यास धारण किया, तब एक वर्ष से अधिक समय तक उन्हें उचित आहार नहीं मिला। यह केवल भौतिक अभाव नहीं था, बल्कि उस युग की सामाजिक अपरिपक्वता का द्योतक था, जहाँ लोग 'अहिंसक आहार' और 'संयमित जीवन' की अवधारणा से अनभिज्ञ थे। अंततः हस्तिनापुर में राजकुमार श्रेयांस ने उन्हें इक्षुरस अर्पित कर उनकी तपस्या का पारणा कराया। उस क्षण 'अहोदानम्, अहोदानम्' की ध्वनि गूंजी, यह केवल एक आह्लाद नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक चेतना का उद्घोष था, जिसने दान, संयम और साधना को एक नई दिशा दी। यही कारण है कि अक्षय तृतीया जैन साधकों के लिए 'वर्षीतप' जैसे महान तप-अनुष्ठानों का पूर्णाहुति दिवस है। एक वर्ष तक एकान्तर उपवास करने वाले साधक इस दिन पारणा करते हैं। यह तप केवल शरीर को कष्ट देने का साधन नहीं, बल्कि आत्मा को निर्मल करने की प्रक्रिया है। यह हमें सिखाता है कि भोग से नहीं, त्याग से जीवन अक्षय बनता है।अक्षय तृतीया का आध्यात्मिक संदेश अत्यंत गहन है। यह हमें बताता है कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल संसाधनों का संचय नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि है। भारतीय संस्कृति में 'आत्मा' को सर्वोपरि सत्य माना गया है, और उसकी खोज को जीवन की सर्वोच्च साधना।

सम्राट चौधरी के लिए बिहार के सीएम का ओहदा बड़ी चुनौती

- योगेश कुमार गोयल

बिहार की राजनीति में सत्ता का शिखर छूना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है उस शिखर पर टिके रहकर अपनी सर्वमान्यता सिद्ध करना। सम्राट चौधरी का बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में उदय राज्य के सियासी इतिहास में एक नए युग का सूत्रपात माना जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना नहीं है बल्कि भारतीय जनता पार्टी का बिहार में उस 'बड़े भाई' की भूमिका को आधिकारिक रूप से स्वीकार करना है, जिसका इंतजार पार्टी कार्यकर्ता दशकों से कर रहे थे। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पैदा हुए राजनीतिक शून्य को भरने की जिम्मेदारी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह नीतीश कुमार की उस लंबी और गहरी छाया से बाहर निकल पाएंगे, जिसने पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति को परिभाषित किया है? यही वह कसौटी है, जिस पर अब सम्राट चौधरी को परखा जाएगा।

सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनी चौधरी की विरासत, और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। 1999 में राबड़ी देवी सरकार में सबसे कम उम्र के मंत्री बनने से लेकर आज मुख्यमंत्री की कुर्सी तक का सफर वैचारिक बदलावों और रणनीतिक फैसलों से भरा रहा है। राजद और जदयू जैसी क्षेत्रीय शक्तियों के साथ काम करने के बाद 2017 में भाजपा का दामन थामना उनके करियर का सबसे निर्णायक मोड़ साबित हुआ। भाजपा ने उनमें एक ऐसे पिछड़ा नेतृत्व (ओबीसी) को देखा, जो न केवल संगठन में जान फूंक सकता था बल्कि राजद के 'माई' (एमवाई) समीकरण के सामने एनडीए के 'लव-कुश' समीकरण को मजबूती दे सकता था। विशेषकर कुशवाहा समुदाय से आने के कारण सम्राट चौधरी भाजपा के लिए सामाजिक संतुलन का सबसे सटीक मोहरा साबित हुए। भाजपा ने उन्हें न केवल स्वीकार किया बल्कि प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद देकर उनकी नेतृत्व क्षमता पर

भरोसा भी जताया। यही भरोसा आज उन्हें मुख्यमंत्री पद तक ले आया है। मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की नियुक्ति के साथ ही बिहार की राजनीति में एक दुर्लभ संयोग भी जुड़ा है। जननायक कर्पूरी ठाकुर के बाद वह दूसरे ऐसे नेता बने हैं, जिन्होंने पहले उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली और बाद में मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे। यह उपलब्धि उनके कद को तो बढ़ाती है लेकिन इसके साथ आने वाली अपेक्षाएं उनके लिए हिमालयी चुनौतियों जैसी हैं। नीतीश कुमार केवल एक राजनेता नहीं थे बल्कि वह बिहार के लिए एक 'इंस्टीट्यूशन' बन चुके थे। उनके 20 वर्षों के शासनकाल ने राज्य में सुशासन की एक ऐसी परिभाषा गढ़ी, जिसमें महिला सुरक्षा, सड़कें, बिजली और शराबबंदी जैसे मुद्दे हर घर से जुड़े थे। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि वे स्वयं को नीतीश कुमार के विकल्प के रूप में पेश करते हैं या एक ऐसी नई पहचान गढ़ते हैं, जो नीतीश के 'विकास' और भाजपा की 'वैचारिक प्रखरता' का संगम हो। अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर एकमत हैं कि नीतीश कुमार जैसा सर्वमान्य नेता बनना सम्राट चौधरी के लिए रातों-रात संभव नहीं होगा। नीतीश कुमार की स्वीकार्यता समाज के हर वर्ग, चाहे वह महादलित हो, अति पिछड़ा हो या आधी आबादी (महिलाएं) हो, में गहराई तक थी। सम्राट चौधरी के पास फिलहाल एक मजबूत सांगठनिक ढांचा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद है लेकिन उन्हें अपनी 'आक्रामक छवि' को अब 'प्रशासकीय संयम' में बदलना होगा। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद अब उनके हर फैसले की तुलना नीतीश कुमार के मानकों से की जाएगी। क्या वह उसी सहजता से महादलितों और अति पिछड़ों के हितों की रक्षा कर पाएंगे? क्या वह शराबबंदी जैसी पेचीदा नीतियों को लेकर जनता के बीच अपना स्पष्ट नजरिया रख पाएंगे? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका उत्तर उनके कार्यकाल के शुरुआती सौ दिन ही तय करेंगे। चुनौतियां केवल बाहर ही नहीं, गठबंधन के भीतर भी हैं। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद जदयू के भविष्य और निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति में प्रवेश ने नई चर्चाओं को जन्म दिया है। जदयू के भीतर इस बदलाव को लेकर एक दबी हुई छटपटाहट है। सम्राट चौधरी को यह सुनिश्चित करना होगा कि गठबंधन के सहयोगी दल खुद को उपेक्षित महसूस न करें। साथ ही, उन्हें भाजपा के भीतर भी उन वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेना होगा, जो मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पीछे रह गए।

सम्राट चौधरी पर उनके पुराने विवादों, जैसे कम उम्र में मंत्री पद से हटाए जाने की घटना और उनके शैक्षणिक पहलुओं को लेकर विपक्ष हमलावर रहेगा। एक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पेशेवर छवि और शुचिता पर उठने वाले सवालों का सामना उन्हें अपनी कार्यशैली से ही करना होगा। बिहार में 2025 का जनादेश एक तरह से 'फेयरवेल मैंडेट' जैसा रहा है, जहां जनता बदलाव की मानसिक तैयारी कर चुकी थी। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी ताकत उनका ओबीसी समुदाय से होना और भाजपा आलाकमान का पूर्ण समर्थन है लेकिन उनकी राह का सबसे बड़ा कांटा 'नीतीश कुमार का औरा' है। भाजपा ने अब तक बिहार में नीतीश कुमार के साये में राजनीति की है, अब उसे अपनी स्वतंत्र इमारत खड़ी करनी है, जिसकी नींव सम्राट चौधरी को रखनी है। यह सफर कांटों भरा है क्योंकि उन्हें न केवल विकास की रफ्तार बनाए रखनी है बल्कि बिहार की उस जटिल सामाजिक संरचना को भी साधे रखना है, जहां जाति की राजनीति कभी खत्म नहीं होती। सम्राट चौधरी की कहानी एक ऐसे संघर्षशील नेता की है, जिसने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में उनकी असली परीक्षा अब शुरू होने जा रही है।

जिला में 6.80 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक

करनाल, 18 अप्रैल (मीनाक्षी देवी) : जिला की मंडियों में गेहूं की आवक लगातार जारी है। इसके दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा सभी जरूरी प्रबंध पहले से ही पूरे कर लिए गए थे, जिनका समय-समय पर निरीक्षण किया जा रहा है। डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि गत दिवस तक जिला में करीब 6 लाख 80 हजार मीट्रिक टन की आवक विभिन्न खरीद केंद्रों व मंडियों में हुई। उन्होंने बताया कि विभिन्न खरीद एजेंसियों द्वारा 550588 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया जिसमें से खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा 221063 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 258631 मीट्रिक टन तथा हरियाणा वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा 70894 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया जिसमें से 141784 मीट्रिक टन गेहूं का उठान किया गया है। उन्होंने बताया कि जिला में गेहूं की फसल की बिक्री के दौरान किसानों को आने वाली किसी भी प्रकार की समस्या के त्वरित समाधान के लिए जिला राजस्व कार्यालय (डीआरओ) में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। इसके साथ ही गेहूं खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाने और किसानों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 0184-2267271 व 0184-2980735 जारी किए गए हैं। यह हेल्पलाइन सेवा रोजाना प्रातः 6 से रात्रि 8 बजे तक क्रियाशील रहेगी। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे पंजीकृत नंबर वाले ट्रैक्टर में ही गेहूं मंडियों में लेकर आएं। यदि किसी विशेष परिस्थिति में किसान ऐसा नहीं कर पाते हैं, तो उन्हें संबंधित एसडीएम से अनुमति लेनी होगी।

वैश्विक निवेश के लिए पंजाब पसंदीदा स्थान बनेगा-सीएम मान

चंडीगढ़, 18 अप्रैल (अमृतपाल) राज्य के औद्योगिक और आर्थिक विकास को गति देने के लिए पंजाब सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों के तहत मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान फूड प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स, अलॉयज एंड स्टील्स, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी समेत प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने तथा निवेश आकर्षित करने के लिए आज नीदरलैंड के दौरे पर रवाना हो गए हैं।मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि हमारा विजन पूरी तरह स्पष्ट है, जो नीति स्थिरता, तेजी से फैसले लेने और निवेशकों के समय व भरोसे का सम्मान करने वाली शासन व्यवस्था प्रदान करके पंजाब को विश्व स्तर पर उद्योग के लिए प्राथमिकता वाला स्थान बनाने पर केंद्रित है।यह दौरा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि नीदरलैंड भारत के लिए सबसे बड़े विदेशी निवेशकों में से एक है और कई डच कंपनियां पहले से ही पंजाब में अपना कारोबार चला रही हैं। उल्लेखनीय है

कि मुख्यमंत्री ने इससे पहले अक्टूबर-2023 में विविधा इंडस्ट्रियल पार्क, राजपुरा में डी ह्यूस फैक्टरी का शिलान्यास किया था। इसी प्रकार आलू की फसल के लिए इंडो-डच सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहले ही राज्य में सफलतापूर्वक काम कर रहा है, जो पंजाब और नीदरलैंड के बीच बढ़ते सहयोग को दर्शाता है।इस दौरे के दौरान मुख्यमंत्री राज्य के औद्योगिक विकास को और गति देने के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी पर जोर देंगे। वे पंजाब की रणनीतिक स्थिति, एनसीआर और प्रमुख बंदरगाहों से निर्बाध संपर्क, मजबूत औद्योगिक क्लस्टर, गुणवत्तापूर्ण निर्बाध बिजली आपूर्ति, कुशल कार्यबल और प्रगतिशील नीति ढांचे को उजागर करके पंजाब को उत्तरी भारत के पसंदीदा निवेश स्थल के रूप में भी प्रस्तुत करेंगे।मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल पंजाब सरकार द्वारा लागू किए गए प्रमुख प्रशासनिक और नियामक सुधारों को पेश करेगा, जिसमें 173 सरकार से कारोबार सेवाएं, ऑटो-डीम्ड मंजूरियां, पैन-आधारित व्यापारिक पहचान शामिल होगी।

पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के साथ हुई घटना शर्मनाक और निंदनीय : होशियार सिंह किरमच

कुरुक्षेत्र, 18 अप्रैल (करणदीप सिंह) : जजपा प्रदेश महासचिव होशियार सिंह किरमच ने कहा हिसार में हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के साथ जो पुलिस कर्मचारी द्वारा अभद्रता की गई व उनके ऊपर गाड़ी चढ़ाने की जो घिनौनी हरकत की गई है वह बहुत ही शर्मनाक और निंदनीय है। उन्होंने कहा आज भाजपा की तानाशाह सरकार में कानून के रखवाले ही सरेआम गुंडागर्दी पर उतर आए हैं, जब हरियाणा के इतने कद्दावर नेता के साथ ये पुलिस की वर्दी वाले गुंडे इस तरह की ओछी हरकत कर सकते हैं तो आम जनता के साथ तो ये क्या ही सलूक करते होंगे। इस प्रकरण में उक्त पुलिस वाले गुंडे पर अब तक कोई भी कार्यवाही नहीं करने के कारण हिसार एसपी की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है जोकि बहुत आश्चर्यजनक है। अब यह एसपी द्वारा अपने कर्मचारी को बचाने की कोशिश है या सरकार के दबाव में ऐसा किया जा रहा है ये भी विचार करने योग्य है। सरकार को ऐसे गुंडातत्वों पर तुरंत कार्यवाही करनी चाहिए। और अगर ये सरकार यूंही मूकदर्शी बनी रहेगी और कोई कार्यवाही नहीं करेगी तो जल्द ही जेजेपी का पूरे प्रदेश का एक एक कार्यकर्ता सड़कों पर उतर कर इस तानाशाह सरकार को जवाब देने का काम करेगा।

राजकीय कन्या आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बीडी ग्रोवर और वीरा ग्रोवर स्मृति पुरस्कार का आयोजन

- 4 विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए किया गया सम्मानित

करनाल, 18 अप्रैल (संदीप रोहिला) : राजकीय विद्यालय में मेधावी छात्राओं को सम्मानित करने की प्रेरणादायक पहल लगातार जारी है। ग्रोवर परिवार द्वारा आयोजित स्मृति सम्मान समारोह ने एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया। करनाल के राजकीय कन्या आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रेलवे रोड में आज श्रीमती वीरा ग्रोवर एवं श्री बी. डी. ग्रोवर की पुण्य स्मृति में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ग्रोवर परिवार द्वारा वर्ष 2019 से निरंतर आयोजित किया जा रहा है और इस वर्ष इसका आठवां आयोजन रहा। इस समारोह के तहत चार विभिन्न विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 3100 रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 2100 रुपये की नकद राशि प्रदान की गई। साथ ही सभी छात्राओं को रिफ्रेशमेंट भी वितरित की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहिंद्र सिंह नरवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जीजीएमएसएसएस, रेलवे रोड करनाल से कक्षा छठी में हिमांशी ने प्रथम और स्नेहा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10वीं में सलोनी प्रथम और निधि द्वितीय रही। कक्षा 8वीं में लक्ष्मी प्रथम और शिवांगी द्वितीय, जबकि कक्षा 9वीं में खुशी प्रथम और मुस्कान द्वितीय स्थान पर रही। कक्षा 11वीं के विज्ञान वर्ग में माही, कॉमर्स में लीना और आर्ट्स में रुखसार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वहीं, जीजीएसएसएस प्रेम नगर में कक्षा 9वीं में साक्षी प्रथम और खुशबू द्वितीय रही। 11वीं विज्ञान वर्ग में गार्गी, कॉमर्स में तान्या और आर्ट्स में संध्या ने प्रथम स्थान हासिल किया। जीएमएसएसएस मॉडल टाउन करनाल से कक्षा 9वीं में काशवी प्रथम और श्रुति तनवर द्वितीय रही। 11वीं विज्ञान में रिया, कॉमर्स में कृतिका और आर्ट्स में मलिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुभरी से कक्षा 9वीं में साहिल प्रथम और मन्नत द्वितीय रहे, जबकि 11वीं विज्ञान वर्ग में राखी और आर्ट्स में निशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि ग्रोवर परिवार द्वारा पिछले कई वर्षों से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए जो यह सराहनीय पहल की जा रही है, वह निश्चित रूप से अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। इससे बच्चों में पढ़ाई के प्रति उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ती है। इस अवसर पर ग्रोवर परिवार से डॉ. सुनीता ग्रोवर, बाल किशन ग्रोवर, सीए दिनेश ग्रोवर,प्रीति ग्रोवर और सोनिया ग्रोवर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन कंप्यूटर साइंस की प्रवक्ता सिमरन चौधरी ने किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने ग्रोवर परिवार का तहे दिल से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा मिलता है। इस तरह के प्रयास समाज में शिक्षा के महत्व को और अधिक मजबूत करते हैं और विद्यार्थियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करते हैं।

एसजीएमपी स्कूल ने अंग्रेजी कोर में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन

भाषा को संदर्भ में पढ़ाना सबसे अच्छा है, जिसमें चारों कौशलों को समान महत्व दिया जाता है : संगीता

लाडवा, 18 अप्रैल (राम गोपाल) : सीबीएससी के तत्वावधान में संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल लाडवा में अंग्रेजी कोर में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य शिक्षकों को एनईपी 2020 और सीबीएसई दिशानिर्देशों के अनुरूप नवीन रणनीतियों से लैस करना था। स्कूल के प्रधानाचार्य, आयोजन स्थल निदेशक नरेंद्र शर्मा और रिसोर्स पर्सन्स ने पवित्र दीप प्रज्वलित करके क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। रिसोर्स पर्सन्स डॉ. विभा राय और संगीता ने कौशल एकीकरण और शिक्षार्थी केंद्रित दृष्टिकोणों पर केंद्रित संवादात्मक सत्रों का नेतृत्व किया।

दोनों रिसोर्स पर्सन्स ने भाषा के प्रमुख क्षेत्रों जैसे पठन, लेखन, श्रवण और व्याकरण पर ध्यान केंद्रित किया।

उन्होंने एलएसआरडब्ल्यू कौशल को बढ़ावा देने के लिए पाठ योजना, मूल्यांकन, विभेदीकरण और ऑडियोबुक और सहयोगी दस्तावेज़ों सहित प्रौद्योगिकियों के उपयोग की अनुशंसा की। क्षमता निर्माण कार्यक्रम ज्ञानवर्धक और व्यावहारिक था। डॉ. राय और संगीता ने इस बात पर जोर दिया कि भाषा को संदर्भ में पढ़ाना सबसे अच्छा है, जिसमें चारों कौशलों को समान महत्व दिया जाता है। शिक्षकों को विद्यार्थियों में शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया को सरल बनाने और आनंदमय, उद्देश्यपूर्ण अंग्रेजी कक्षाएँ बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। हरियाणा भर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के 51 से अधिक शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक इस क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया।

कलायत अनाज मंडी में सांसद नवीन जिंदल का औचक निरीक्षण गेहूं के ढेरों के बीच पहुंचे सांसद;

कलायत, 18 अप्रैल (सूबे सिंह मोर) : गेहूं सीजन के पीक के बीच कुरुक्षेत्र सांसद नवीन जिंदल शनिवार को कलायत अनाज मंडी पहुंचे। सांसद ने यहां करीब एक घंटा बिताया और मंडी की एक-एक व्यवस्था को बारीकी से परखा। उन्होंने केवल अधिकारियों से डेटा नहीं मांगा, बल्कि मंडी में अपनी फसल बेचने आए किसानों के साथ जमीन पर बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं। सांसद ने निर्देश दिए कि फसल खरीद के बाद निर्धारित समय सीमा के भीतर किसानों के खातों में भुगतान पहुंचना चाहिए। मंडियों में गेहूं के कट्टे जमा न हों, इसके लिए ट्रांसपोर्टेशन और उठान की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। मंडी में किसानों के लिए पीने के पानी, छाया और बिजली के इंतजामों का निरीक्षण किया। जिंदल ने मौके पर मौजूद मार्केटिंग बोर्ड के अधिकारियों और खरीद एजेंसियों के प्रतिनिधियों को सख्त लहजे में कहा कि किसान हमारा अन्नदाता है, उसे मंडी में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। मेरी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि किसान को अपनी मेहनत की उपज बेचने के लिए भटकना न पड़े। अगर किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई गई, तो संबंधित अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी नवीन जिंदल सांसद, कुरुक्षेत्र। गेट पास काटने की प्रक्रिया को और सरल बनाया जाएगा ताकि मंडी के बाहर ट्रैक्टर-ट्रॉली की लंबी लाइन न लगे। बारदाने (बोरियों) की कमी को लेकर आढ़तियों की शिकायत पर सांसद ने तुरंत सप्लाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए। अब रोजाना शाम को उठान और खरीद की रिपोर्ट सीधे सांसद कार्यालय को भी भेजी जाएगी।

दंत जांच शिविर का आयोजन

मूनक, 18 अप्रैल (जयभगवान) : आर्य कन्या गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोर माजरा मे में शनिवार को विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए डेंटल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में प्रसिद्ध दंत चिकित्सक डॉक्टर नेहा देसवाल ने गुरुकुल की जीएनएम नर्स रवीना बैनीवाल की देखरेख में अपने सहयोगियों के साथ अपनी सेवाएं प्रदान की। उन्होंने स्कूल की लगभग दो सौ छात्राओं, डिग्री कॉलेज की साठ छात्राओं और लगभग चालीस अध्यापिकाओं के दांतों की जांच की और दांतों की उचित देखभाल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को दिन में दो बार ब्रश करने,

संतुलित आहार लेने और मीठे पदार्थों का सीमित सेवन करने की सलाह दी। साथ ही समय-समय पर दंत जांच करवाने के महत्व को बताते हुए डेंटल किट प्रदान की। इस अवसर पर गुरुकुल के प्रधान सुखबीर सिंह मान, सेक्रेट्री ओम प्रकाश मान, प्रिंसिपल गुरप्रीत कौर, मेहर सिंह व जिला अटॉर्नी सुरेंद्र बैनीवाल मौजूद रहे द्य विद्यालय प्रबंधन ने डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया और छायाचित्र व दीवार घड़ी से सम्मानित किया द्य डॉक्टर नेहा देसवाल ने भी भविष्य में इस प्रकार के स्वास्थ्य संबंधी कैंप आयोजित करने का आश्वासन दिया। यह कैंप विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी एवं जागरूकता बढ़ाने वाला सिद्ध हुआ।

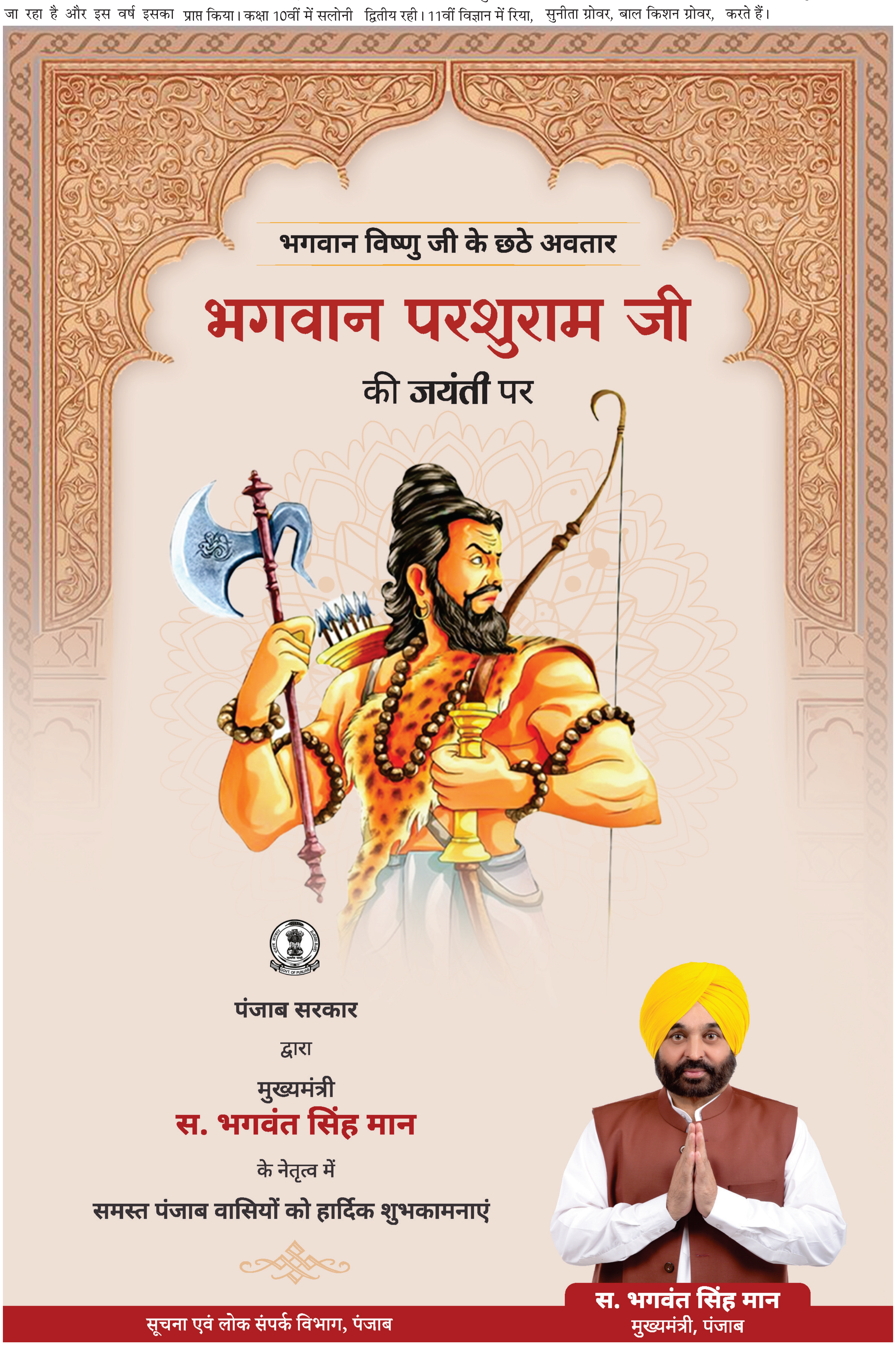

केवीए डीएवी महिला महाविद्यालय में कार्यशाला फ्लेवर ऑफ ब्रेड का आयोजन

करनाल, 18 अप्रैल (परमजीत कौर) : केवीए डीएवी महिला महाविद्यालय में प्रधानाचार्या मीनू शर्मा के संयोजन में गृह विज्ञान विभाग की ओर से फ्लेवर ऑफ ब्रेड विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें सुनैना केक्स एंड बेक्स से आईं सुनैना ने छात्राओं को उन्नत स्तर की ब्रेड बेकिंग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को विभिन्न प्रकार की ब्रेड जैसे व्हाइट ब्रेड, फोकाचिया ब्रेड और सावर डो ब्रेड बनाना सिखाया। इसके साथ ही छात्राओं ने डो बनाने और बेकिंग की तकनीकें भी सीखी। छात्राओं ने इस कार्यशाला में बढ़-चढक़र भाग लिया और सीखने में गहरी रुचि दिखाई। इस अवसर पर प्राचार्या मीनू शर्मा ने प्रशिक्षक की कला एवं छात्राओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना की तथा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यशालाओं के आयोजन पर बल दिया, जिससे विद्यार्थियों को अधिक से अधिक सीखने का अवसर मिल सके।

गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष लखविंदर कौर एवं प्राध्यापिकाएं अपूर्वा, सुष्मिता, नवीन, हिमानी, लक्षिका, शैफाली, गीतांजलि, आरती, रीना गुप्ता, रीना, मानसी के सहयोग से कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई। समापन सत्र में विभागाध्यक्ष ने सभी को शुभकामनाएं दीं।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव की तैयारियां पूरी

जय भगवान शर्मा होंगे मुख्यातिथि : कुलवंत शर्मा

शाहाबाद मारकंडा, 18 अप्रैल (रूबी) : पंचायत ब्राह्मानान शाहाबाद द्वारा 19 अप्रैल को मनाए जाने वाले भगवान परशुराम जन्मोत्सव की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। यह जानकारी देते हुए पंचायत ब्राह्मानान के प्रधान कुलवंत शर्मा ने बताया कि श्री हर मिलापी कृष्णा मंदिर धर्मशाला में 11 बजे से पंडित रविंद्र मधुर व पंडित चिराग द्वारा भजन संकीर्तन किया जाएगा। 12 बजे से सम्मान समारोह होगा। उन्होंने बताया कि समारोह में मुख्यातिथि समाजसेवी जय भगवान शर्मा डीडी, समाजसेवी सुभाष कलसाना, सिद्धार्थ अस्तपाल के संचालक डा. दीपक शर्मा, लाईफ केयर अस्तपाल के संचालक डा. नितिन शर्मा होंगे। जबकि वशिष्ठ अतिथि पंडित महेंद्र शर्मा छपरी, पंडित प्रदीप शर्मा, पूर्व नपा प्रधान हरीश कवातरा, आरआर प्रॉपर्टी के संचालक राजेश चावला व राज सतीजा होंगे। कुलवंत शर्मा ने बताया कि समारोह उपरांत प्रीति भोज होगा। इस मौके पर प्रकल्प प्रमुख राजेंद्र शर्मा यारा, महासचिव सुरेंद्र शर्मा, सचिव पीयूष राव, कोषाध्यक्ष अंशुमन गौड़, पंकज शर्मा वत्स सहित पंचायत के सदस्यगण उपस्थित थे।

सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2027 के लिए आवेदन आमंत्रित

करनाल, 18 अप्रैल (प्रवीन) : उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन https://awards.gov.in/ पोर्टल पर 30 सितंबर 2026 तक कर सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि व्यक्तियों और संगठनों के अमूल्य योगदान और निस्वार्थ सेवा भाव को पहचानने और सम्मानित करने के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के नाम से वार्षिक पुरस्कार दिया जाता है। इस पुरस्कार की घोषणा हर साल 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर की जाती है। उन्होंने बताया कि केवल भारतीय नागरिक और भारतीय संस्थान ही पुरस्कार के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। संस्थान स्वैच्छिक संगठनों, कॉरपोरेट संस्थाओं, शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों, प्रतिक्रिया/वर्दीधारी बलों या किसी अन्य संस्थान के लिए पुरस्कार के लिए एक संस्था के रूप में आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए उम्मीदवार ने देश में आपदा प्रबंधन जैसे रोकथाम, शमन, तैयारी, बचाव, प्रतिक्रिया, राहत, पुनर्वास, अनुसंधान/नवाचार या इस कार्य क्षेत्र में काम किया हो। उन्होंने बताया कि आवेदन के साथ आपदा प्रबंधन में किए गए कार्यों का विवरण होना चाहिए। पुरस्कार के संबंध में अधिक जानकारी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के पोर्टल पर उपलब्ध है।

अमित के नुकसान की भरपाई को आगे आई सरकार, एसडीएम ने सौंपा 1 लाख का चेक

ग्रामीणों और प्रवासी युवाओं ने भी पेश की भाईचारे की मिसाल, करीब 3 लाख की निजी सहायता भी जुटाई

कलायत, 18 अप्रैल (सूबे सिंह मोर) : गांव बालू रापड़िया पत्ती के पीड़ित पशुपालक अमित कुमार के लिए सरकारी सहायता और सामाजिक एकजुटता बड़ी राहत बनकर सामने आई है। करीब दो माह पूर्व जहरीला पदार्थ निगलने से अपनी चार कीमती भैंसों को खोने वाले अमित कुमार को मुख्यमंत्री राहत कोष से एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। उपमंडल अधिकारी अजय हुड्डा ने अपने कार्यालय में पीड़ित को एक लाख रुपये का चेक भेंट किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार संकट की घड़ी में गरीब और मेहनतकश वर्ग के साथ खड़ी है।

साढ़े पांच लाख का हुआ था नुकसान ग्राम पंचायत जुलानी खेड़ा के सरपंच नरेंद्र ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि करीब दो महीने पहले अमित कुमार की चार भैंसों की जहरीला पदार्थ खाने से अचानक मौत हो गई थी। मृत पशुओं की कुल बाजार कीमत करीब 5 से 6 लाख रुपये के बीच थी। अमित एक दिहाड़ीदार मजदूर है और पशुपालन के जरिए ही अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। एक साथ चार भैंसों की मौत ने परिवार की आर्थिक कमर तोड़ दी थी।

विदेशों से भी मिली मदद, स्थानीय ग्रामीण की मुहिम रंग लाई:-अमित की बेबसी को देखते हुए गांव के लोग और विशेष रूप से विदेश में रह रहे युवा उसकी मदद के लिए आगे आए। प्रवासी युवाओं ने अपनी नेक कमाई से करीब 2 लाख रुपये का फंड इकट्ठा कर अमित को सौंपा। वहीं, गांव बालू रापड़िया के निवासियों ने भी आपसी सहयोग से अमित की आर्थिक सहायता की। ग्राम पंचायत की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर विशेष आर्थिक सहायता की मांग की गई थी, जिसे मुख्यमंत्री ने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

प्रशासनिक तत्परता की सराहना एसडीएम अजय हुड्डा ने चेक सौंपते समय कहा कि प्रशासन का प्रयास रहता है कि प्रभावित व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और सहायता का लाभ बिना देरी के पहुंचे। ग्रामीणों ने सरकार और एनआरआई युवाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों और सरकारी सहायता से अब अमित दोबारा अपना पशुपालन का व्यवसाय शुरू कर पाएगा।

नागक्षेत्र सरोवर में अमावस्या पर उमड़ी आस्था श्रद्धालुओं ने किया स्नान व हवन

सफीदों, 18 अप्रैल (एस. के. मित्तल) : नगर के प्राचीन एवं पौराणिक महत्व वाले नागक्षेत्र सरोवर में अमावस्या के पावन अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। अखिल भारतीय ब्राह्मण संसद व नागक्षेत्र सुधार समिति के तत्वावधान में यहां स्नान, हवन और तीर्थ परिक्रमा का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह श्रद्धालुओं द्वारा नागक्षेत्र सरोवर में विधिवत स्नान से हुई। स्नान के बाद श्रद्धालु नागक्षेत्र मंदिर परिसर में एकत्रित हुए, जहां उन्होंने पंडित संजीव गौतम के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विशाल हवन का आयोजन किया गया। इसके उपरांत श्रद्धालुओं ने भगवान के नाम का जाप करते हुए नागक्षेत्र सरोवर की परिक्रमा की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि तथा अपने परिवार के कल्याण की कामना की। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष संजीव गौतम ने कहा कि नागक्षेत्र सरोवर और मंदिर का इतिहास लगभग 5000 वर्ष पुराना है, जो महाभारतकालीन आस्था और परंपरा से जुड़ा हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि यहां प्रतिवर्ष विभिन्न धार्मिक आयोजन, कालसर्प दोष व पितृ दोष निवारण के अनुष्ठान तथा देव दीपावली जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कार्तिक मास में सैकड़ों श्रद्धालु यहां स्नान और पूजन के लिए पहुंचते हैं। अब अमावस्या पर स्नान की परंपरा को पुनर्जीवित किया गया है, जिसे निरंतर जारी रखा जाएगा। मान्यता है कि लगातार 12 अमावस्या पर इस सरोवर में स्नान करने से पितृ दोष समाप्त हो जाता है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नागक्षेत्र तीर्थ की प्राचीन पहचान को पुन: स्थापित करना और इसे एक बार फिर आस्था का प्रमुख केंद्र बनाना है।

प्रवेश उत्सव में मेधावी छात्रों व स्टाफ का सम्मान, दहेज प्रथा के खिलाफ दिलाई शपथ

सीसर स्कूल में राह ग्रुप फाउंडेशन का प्रेरक कार्यक्रम, नामांकन बढ़ाने पर जोर

सीसर, 18 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : शहीद रसवीर सिंह राजकीय उच्च विद्यालय, सीसर के प्रांगण में शनिवार को 'प्रवेश उत्सव' के अवसर पर राह ग्रुप फाउंडेशन के सहयोग से एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जहां एक ओर छात्रों को सरकारी विद्यालयों की ओर आकर्षित करना रहा वहीं मेधावी विद्यार्थियों और शिक्षकों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया। इस दौरान NMMS परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय स्टाफ को उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था और बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए सम्मानित कर उनकी सराहना की गई। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों और ग्रामीणों को सरकारी स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं, सरकार की योजनाओं तथा शिक्षकों के समर्पण से अवगत करवाते हुए अधिक से अधिक नामांकन बढ़ाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक जागरूकता का संदेश देते हुए अंत में उपस्थित सभी लोगों को दहेज न लेने और न देने की शपथ दिलाई गई, जिसके साथ समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रिंसिपल वीरेंद्र सिंह, मलिक, जिला राह ग्रुप प्रधान राजेश टांक नरवाना, शहरी शिक्षा समिति प्रधान डॉ. अमित सेन, बलवीर सिंह, अमित लोहान, दलबीर सिंह, स्स्ष्ट प्रधान पवन कुमार, पूर्व SMC प्रधान सुरेश कुमार, शिक्षाविद वीरभान शास्त्री सहित अभिभावकगण, ग्राम पंचायत व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम जयंती पर विशेष

भगवान परशुराम अवतार : तप, त्याग और धर्म की प्रेरणा

डॉ मुकेश कुमार, हिंदी- विभाग
चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी, जींद (हरियाणा)

भगवान के अवतार तो अनेक हैं, अनंत हैं कहा भी गया है कि हरि अनंत हरि कथा अनंता, लेकिन भगवान के मुख्य अवतारों में भगवान परशुराम भी आते हैं। अक्षय तृतीया और भृगुकुलनंदन जमदग्नि कुमार भगवान परशुराम जयंती का अत्यंत गहरा आध्यात्मिक संबंध है, क्योंकि दोनों ही वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को आते हैं। इसी पावन दिन भगवान परशुराम का जन्म हुआ था ऐसा माना जाता है, इसलिए यह तिथि और भी अधिक पवित्र और फलदायी बन जाती है। भविष्य पुराण में अक्षय तृतीया के पुण्य का उल्लेख मिलता है जो इस प्रकार से है-

वैशाखस्य शुक्लपक्षे
तृतीया अक्षया स्मृता।
तस्यां दत्तं हुतं जप्तं अक्षयं
भवति ध्रुव॥

अर्थात् वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया च्अक्षयज्ज् कही गई है। इस दिन किया गया दान, हवन और जप अक्षय (कभी नष्ट न होने वाला) होता है। स्कंद पुराण में वर्णित है-

यत्किंचित् क्रियते पुण्यं
तृतीयायां नरैर्भुवि।
तत्सर्वमक्षयं प्रोक्तं नात्र
कार्या विचारणा॥

शास्त्रों के अनुसार अक्षय तृतीया का अर्थ है-ऐसा पुण्य जो कभी क्षय (नष्ट) न हो। इस दिन किया गया जप, तप, दान और धर्म कर्म अनंत फल देने वाला माना गया है। यही कारण है कि भगवान के दिव्य अवतार के रूप में भगवान परशुराम का प्राकट्य भी इसी दिन हुआ, जो धर्म की स्थापना और अधर्म के नाश का प्रतीक है।भगवान परशुराम भारतीय सनातन परंपरा में एक अद्वितीय और विलक्षण अवतार के रूप में प्रतिष्ठित हैं। वे भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं, जिनका प्राकट्य केवल किसी दैवी लीला के प्रदर्शन हेतु नहीं, बल्कि धर्म की पुनर्स्थापना और अधर्म के उन्मूलन के लिए हुआ। शास्त्रों में वर्णित अवतार सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि जब-जब संसार में अधर्म का प्रभाव बढ़ता है और धर्म का लोप होने लगता है, तब-तब भगवान स्वयं विभिन्न रूपों में अवतरित होकर संतों की रक्षा और दुष्टों का विनाश करते हैं। यही सिद्धांत श्रीमद्भगवद्गीता में प्रतिपादित है-

यदा यदा हि धर्मस्य
ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य
तदात्मानं सृजाम्यह॥
परित्राणाय साधूनां
विनाशाय च दुष्कृता।
धर्मसंस्थापनार्थाय
सम्भवामि युगे युगे॥

अर्थात् जब-जब धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब भगवान अवतार लेते हैं। इसी सिद्धांत के आधार पर परशुराम अवतार को समझना चाहिए। शास्त्रों में अवतारों की अनेक सूचियाँ मिलती हैं, परंतु दशावतार की परंपरा विशेष रूप से प्रसिद्ध है, जिसका उल्लेख श्रीमद्भागवत महापुराण तथा विष्णु पुराण में प्राप्त होता है। इन दशावतारों में मत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन के बाद छठे स्थान पर परशुराम का उल्लेख मिलता है। यह क्रम यह भी संकेत करता है कि परशुराम अवतार एक संक्रमण काल में प्रकट हुआ, जब समाज में शक्ति का संतुलन बिगड़ चुका था और क्षत्रिय वर्ग अपने कर्तव्य से विमुख होकर अत्याचार में लिप्त हो गया था।

परशुराम जी का जन्म भृगुवंश में हुआ, जो कि ब्राह्मणों का एक अत्यंत प्रतिष्ठित वंश है। उनके पिता महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका थी। इस प्रकार वे ब्राह्मण कुल में उत्पन्न होकर भी क्षत्रिय धर्म का पालन करने वाले अद्वितीय व्यक्तित्व थे। इसीलिए उन्हें च्ब्राह्मण-क्षत्रिय स्वरूप भी कहा जाता है। श्रीमद्भागवत महापुराण में उनके विषय में उल्लेख मिलता है—

रामो नाम भवद् विप्र: क्षत्रियान्तकरो प्रभु:।

अर्थात् परशुराम नामक ब्राह्मण रूप में भगवान प्रकट हुए, जिन्होंने अधर्मी क्षत्रियों का संहार किया।

यहाँ यह समझना आवश्यक है कि परशुराम द्वारा किया गया क्षत्रियों का विनाश किसी व्यक्तिगत द्वेष का परिणाम नहीं था, बल्कि धर्म की रक्षा के लिए किया गया एक आवश्यक कर्त्तव्य था। शास्त्रों के अनुसार उस समय के क्षत्रिय राजा अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे थे और प्रजा पर अत्याचार कर रहे थे। धर्म का संतुलन बिगड़ चुका था, और समाज में अन्याय का बोलबाला था। ऐसी स्थिति में भगवान ने परशुराम के रूप में अवतार लेकर उस संतुलन को पुन: स्थापित किया। परशुराम जी का जीवन त्याग, तपस्या और पराक्रम का अद्भुत संगम है। उन्होंने कठोर तपस्या करके भगवान शिव से परशु (फरसा) प्राप्त किया, जिसके कारण उनका नाम परशुराम पड़ा। वे भगवान शिव के परम भक्त और महान योद्धा थे। उनका यह स्वरूप दर्शाता है कि ज्ञान और शक्ति का संतुलन ही धर्म की स्थापना का आधार है। शास्त्रों में वर्णित है कि परशुराम ने इक्कीस बार पृथ्वी को क्षत्रियों से विहीन किया। यह संख्या केवल एक ऐतिहासिक घटना का संकेत नहीं है, बल्कि यह प्रतीक है उस निरंतर संघर्ष का, जो धर्म और अधर्म के बीच चलता रहता है। प्रत्येक बार जब अधर्म बढ़ता है, तब धर्म को पुन: स्थापित करने के लिए प्रयास करना आवश्यक होता है।

परशुराम का एक और महत्त्वपूर्ण पहलू उनका चिरंजीवी होना है। हिंदू परंपरा में कुछ महापुरुषों को चिरंजीवी माना गया है, जो युगों-युगों तक जीवित रहते हैं। परशुराम उनमें से एक हैं। वे भगवान राम के समय भी उपस्थित थे और भगवान कृष्ण के समय भी उनका उल्लेख मिलता है। वाल्मिकी रामायण के बालकांड में उनका राम के साथ संवाद और महाभारत में भीष्म, द्रोण और कर्ण जैसे महान योद्धाओं के गुरु के रूप में उनका वर्णन इस तथ्य को पुष्ट करता है कि वे केवल एक युग तक सीमित नहीं हैं। रामायण में वर्णित प्रसंग में जब भगवान राम ने शिव धनुष को तोड़ा, तब परशुराम प्रकट हुए और उन्होंने राम की परीक्षा ली। यह प्रसंग केवल दो महान व्यक्तित्वों का मिलन नहीं है, बल्कि यह एक युग से दूसरे युग में शक्ति के हस्तांतरण का प्रतीक भी है। परशुराम ने अंतत: राम को पहचानकर अपना तेज उन्हें समर्पित किया। इसी प्रकार महाभारत में भी परशुराम का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण जैसे महान योद्धाओं को शिक्षा दी। यह तथ्य दर्शाता है कि वे केवल संहारक ही नहीं, बल्कि महान गुरु भी थे। उनका जीवन ज्ञान, तप और शौर्य का अद्वितीय उदाहरण है। श्रीमद्भागवत पुराण में भगवान के 22अवतारों का वर्णन है जो इस प्रकार है सनक, सनंदन, सनातन और सनत्कुमार के रूप में कुमार अवतार प्रकट होकर ब्रह्मचर्य और ज्ञान का उपदेश देते हैं; तत्पश्चात वराह रूप में भगवान पृथ्वी को हिरण्याक्ष से बचाते हैं; फिर नारद के रूप में भक्ति और नाम संकीर्तन का प्रचार करते हैं; नर-नारायण रूप में तप और धर्म की स्थापना करते हैं; कपिल मुनि के रूप में सांख्य दर्शन का उपदेश देते हैं; दत्तात्रेय के रूप में योग और ज्ञान का मार्ग दिखाते हैं; यज्ञ अवतार लेकर स्वायंभुव मनु के काल में इंद्र पद धारण करते हैं; ऋषभदेव के रूप में वैराग्य और आत्मज्ञान का संदेश देते हैं; पृथु महाराज बनकर प्रजा पालन और कृषि व्यवस्था का प्रारंभ करते हैं; फिर मत्स्य रूप में प्रलय से वेदों और मनु की रक्षा करते हैं; कूर्म रूप में समुद्र मंथन के समय मंदराचल पर्वत को धारण करते हैं; धन्वंतरि के रूप में अमृत और आयुर्वेद प्रदान करते हैं; मोहिनी रूप में देवताओं को अमृत वितरित करते हैं; नृसिंह बनकर हिरण्यकशिपु का वध कर भक्त प्रह्लाद की रक्षा करते हैं; वामन रूप में बलि से तीन पग में त्रिलोकी नाप लेते हैं; भगवान परशुराम के रूप में अधर्मी क्षत्रियों का नाश करते हैं; वेदव्यास के रूप में वेदों का विभाजन और पुराणों की रचना करते हैं; भगवान राम रूप में रावण वध कर मर्यादा की स्थापना करते हैं; बलराम के रूप में कृषि और शक्ति का प्रतीक बनते हैं; भगवान कृष्ण के रूप में धर्म की पुनर्स्थापना कर गीता का उपदेश देते हैं; गौतम बुद्ध के रूप में अहिंसा और करुणा का संदेश देते हैं; और अंत में कल्कि रूप में प्रकट होकर कलियुग का अंत करेंगे।

अवतारों के संबंध में श्रीमद्भागवत महापुराण में कहा गया है

एते चांशकला: पुंस:
कृष्णस्तु भगवान् स्वय।
इन्द्रारिव्याकुलं लोकं
मृडयन्ति युगे युगे॥

अर्थात् ये सभी अवतार भगवान के अंश या कलाएँ हैं, जो समय-समय पर संसार का कल्याण करने के लिए प्रकट होते हैं। इस श्लोक के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि परशुराम भी भगवान के अंशावतार हैं, जिनका उद्देश्य विशेष परिस्थिति में धर्म की रक्षा करना था। परशुराम के व्यक्तित्व का एक और महत्वपूर्ण पक्ष उनका त्याग और वैराग्य है। उन्होंने पृथ्वी को जीतने के बाद उसे कश्यप ऋषि को दान कर दिया और स्वयं तपस्या में लीन हो गए। यह घटना यह दर्शाती है कि उनका उद्देश्य राज्य या सत्ता प्राप्त करना नहीं था, बल्कि केवल धर्म की स्थापना करना था। उनका जीवन यह भी सिखाता है कि शक्ति का उपयोग केवल धर्म की रक्षा के लिए होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए। आज के संदर्भ में भी यह शिक्षा अत्यंत प्रासंगिक है, क्योंकि समाज में शक्ति और अधिकार का दुरुपयोग एक सामान्य समस्या बन गई है। परशुराम का चरित्र हमें यह भी बताता है कि एक व्यक्ति में विभिन्न गुणों का समन्वय संभव है। वे ब्राह्मण होकर भी क्षत्रिय धर्म का पालन करते हैं, और योद्धा होकर भी तपस्वी जीवन जीते हैं। यह समन्वय ही उन्हें अद्वितीय बनाता है। उनकी कथा केवल एक ऐतिहासिक या पौराणिक घटना नहीं है, बल्कि यह एक गहरा दार्शनिक संदेश भी देती है। यह संदेश है कि जब भी समाज मेंअन्याय और अधर्म बढ़े, तब प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्तर पर धर्म की रक्षा के लिए प्रयास करना चाहिए। इस प्रकार शास्त्रों के प्रमाण, श्लोकों और कथाओं के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि भगवान परशुराम का अवतार एक विशेष उद्देश्य के लिए हुआ था। वे केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि धर्म के रक्षक, महान तपस्वी और अद्वितीय गुरु थे। उनका जीवन और चरित्र आज भी प्रेरणा का स्रोत है और हमें यह सिखाता है कि धर्म की स्थापना के लिए साहस, त्याग और समर्पण आवश्यक है। वर्तमान युवा पीढ़ी को यह समझना अति आवश्यक है।

जोड़ियों गांव में 81.49 लाख से बनेगी गलियां नालियां और स्टॉर्म वाटर लाइन, मेयर ने किया शिलान्यास

यमुनानगर, 18 अप्रैल (दिनेश कुमार) : नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी ने वार्ड-18 के जोड़ियों गांव में करीब 81.69 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा के पुत्र एवं भाजपा नेता नेपाल राणा और पार्षद उज्जवल सिंह ठाकुर भी विशेष रूप से मौजूद रहे। शिलान्यास कार्यक्रम के तहत मेयर ने गांव में दो अलग-अलग स्थानों पर विकास कार्यों की शुरुआत करवाई। पहले स्थान पर उन्होंने लगभग 49.99 लाख रुपये की लागत से बनने वाली विभिन्न गलियों के निर्माण व स्टॉर्म वाटर लाइन बिछाने के कार्य का शिलान्यास किया। इस परियोजना के तहत क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे विशेष रूप से बरसात के मौसम में होने वाली जलभराव की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी। साथ ही गलियों के निर्माण से ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा

उपलब्ध होगी। इसके अलावा दूसरे स्थान पर मेयर ने करीब 31.70 लाख रुपये की लागत से बनने वाली गलियों और नालियों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि इन कार्यों के पूरा होने से क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं में सुधार होगा और स्वच्छता व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्यों को पूरा किया जाए। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य है कि हर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर लोगों का जीवन स्तर बेहतर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

भाजपा नेता नेपाल राणा ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों को लेकर गंभीर है और शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार योजनाएं लागू की जा रही हैं। पार्षद उज्जवल सिंह ठाकुर ने कहा कि इन विकास कार्यों से जोड़ियों गांव के निवासियों को सीधा लाभ मिलेगा और गांव की तस्वीर बदलेगी। मौके पर मंडल महामंत्री संदीप बालियान, जगमाल पंजेटा, मनोज नंबरदार, प्रदीप शर्मा, सौरव, अमरेश त्यागी, राजीव सैनी, मोनू वर्मा, रमेश, राकेश, वरिंदर यादव, विशाल शर्मा, कमल, सुनीता, डिंपल आदि मौजूद रहें।

सामूहिक श्रम, सहयोग और मेहनत का पर्व है, वैशाखी : प्रोफेसर डॉ रामपाल सैनी

करनाल, 18 अप्रैल (संदीप रोहिला) : डीएवी पीजी कॉलेज में महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित पारंपरिक वैशाखी पर्व उत्सव का शुभारंभ चैधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के कुलपति एवं कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ रामपाल सैनी ने विधिवत रूप से मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वैशाखी किसान, श्रमिक के लिए रबी की फसल कटाई का प्रतीक एक पारंपरिक उत्सव है। जो एक खास परंपरा है जिसमें लोग

कॉलेज में पारंपरिक उत्सव वैशाखी पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ढोल की धुन और लोकगीतों के साथ मिलकर फसल काटते हैं। जो सामूहिक श्रम और सहयोग का प्रतीक है। इस समय किसान अपनी मेहनत का फल पाकर खुशियां मनाते है, और प्रकृति का आभार व्यक्त करते हैं। कॉलेज प्राचार्य एंव कुलपति प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी ने बैसाखी पर्व की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए पारंपरिक गीतों का जिक्र करते हुए सभागार में मौजुद लोगों को सुनाया और उनकी प्रांसगिता पर गहराई से एक-एक शब्द के बारे में बताया। किसान ढोल की थाप पर भांगड़ा करके अपनी खुशी व्यक्त करते हैं।

यह परंपरा सदियों से चली आ रही है जो सांस्कृतिक उत्सव का अभिन्न हिस्सा है। महिलाएं इस अवसर पर लोक नृत्य प्रस्तुत करते हुए खुशी मनाती है। कॉलेज के शिक्षकों ने भी बैसाखी पर्व के बारे में अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. पूनम वर्मा ने अपने गीत के माध्यम से संदेश दिया कि जो जीवन हमें मिला है उसकी सार्थकता को हमे सिद्ध करने के लिए हमेशा प्रयास करना चाहिए। डॉ. मोनिका मुआल ने अपनी कविता के माध्यम से विद्यार्थियों को सकारात्मक संदेश दिया। प्राध्यापक कमलप्रीत, अमित, टीना ने भी बैसाखी पर्व पर अपने विचार सांझा किये। पत्रकारिता एंव जनसंचार विभाग के प्राध्यापक गुरदेव सिंह ने विभिन्न कलाकारों की मिमिक्री कर खूब हंसाया। महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. प्रतिभा राठी ने कहा कि बैसाखी आस्था, मेहनत का फल और वीरगाथाओं को याद करने का त्यौंहार है, जो समाज को नई उम्मीद और उर्जा प्रदान करता है। कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ सुलोचना नैन, डॉ मीनाक्षी कुंडू, डॉ पूनम वर्मा, डॉ लवनीश, डॉ अंशु जैन, डॉ रेखा चैधरी, डॉ मोनिका, आशीष गुप्ता, डॉ बलराम शर्मा, डॉ जितेन्द्र चैहान, डॉ प्रतिभा, डॉ सुनील व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

स्वच्छता और धरोहर संरक्षण का संदेश लेकर निगम ने चनेटी में निकाली जागरूकता रैली

यमुनानगर, 18 अप्रैल (दिनेश कुमार) : विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) टीम ने एक सोच नई सोच संस्था के सहयोग से चनेटी गांव में जागरूकता रैली का आयोजन किया। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर निकाली गई रैली की शुरुआत राजकीय माध्यमिक विद्यालय चनेटी से हुई और यह हेरिटेज साइट बौद्ध स्तूप पर जाकर संपन्न हुई। इस दौरान विद्यालय के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ स्वच्छता व धरोहर संरक्षण का संदेश दिया। रैली के माध्यम से स्वच्छता अपनाएं और हमारी धरोहर, हमारी पहचान जैसे संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया गया। बच्चों ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य

लोगों में ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वच्छता के महत्व को समझाना रहा। कार्यक्रम के दौरान बौद्ध स्तूप परिसर में प्लॉग रन का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने दौड़ते हुए आसपास फैले कचरे को एकत्रित कर क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में योगदान दिया। इस पहल को स्थानीय लोगों ने भी सराहा। अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने कहा कि विश्व धरोहर दिवस हमें अपनी ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी का अहसास कराता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और धरोहर संरक्षण एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और नागरिकों की भागीदारी से ही इन अभियानों को सफल बनाया जा सकता है। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के एक्सपर्ट दुर्गेश ने कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों और आमजन में स्वच्छता के प्रति आदत विकसित करना है। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास सफाई रखने का संकल्प ले, तो शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है। इस मौके पर स्वच्छ भारत मिशन के सहयोगी गगन बेनीवाल, नगर निगम 2024 के ब्रांड एंबेसडर शशी गुप्ता, ग्राम प्रधान अशोक कुमार, सुपरवाइजर प्रिंस कुमार, विद्यालय स्टाफ व नगर निगम के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रदेश के टीबी मुक्त अभियान में कुरुक्षेत्र का राज्य में दूसरा स्थान : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 18 अप्रैल (करणदीप सिंह) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान में हिस्सा लेते हुए कुरुक्षेत्र जिला ने प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। प्रशासन का लक्ष्य प्रथम स्थान पर रहते हुए जिला को टीबी मुक्त बनाना है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम और मेहनत के साथ काम करेगी और इस लक्ष्य को हासिल करने में प्रशासन स्वास्थ्य विभाग को पूरा सहयोग करेगा। डीसी विश्राम कुमार मीणा शनिवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित टीबी मुक्त कुरुक्षेत्र अभियान के तहत पंचायत सम्मान समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, जिप चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, सीएमओ डा. सुखबीर सिंह ने जिला की 145 पंचायतों को प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसमें 23 पंचायतों को गोल्ड, 49 पंचायतों को सिल्वर और 74 पंचायतों को ब्राउंज कैटेगरी में चयनित कर पुरस्कार दिया गया। उन्होंने कहा कि पहले साल टीबी मुक्त होने वाली पंचायत को ब्राउज, लगातार दो साल टीबी मुक्त पंचायत को सिल्वर और

लगातार 3 साल से टीबी मुक्त पंचायत को गोल्ड कैटेगिरी में रखा गया है। डीसी विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की थी। इस मुहिम को जिला में टीबी मुक्त कुरुक्षेत्र अभियान से चलाया जा रहा है। अप्रैल 2025 को पिछले वर्ष के अभियान की शुरूआत की गई। एआई के माध्यम से 104 पंचायतों को हाई रिस्क के तौर पर पहचाना गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने वर्षभर में 550 शिविर लगाए। घर-घर जाकर टीबी की जानकारी देते हुए मरीजों को लक्षण बताए गए। टीमों ने प्रति लाख पर 7520 सैंपलिंग की गई। उन्होंने कहा कि छाती के टीबी केस 4104 के संपर्क में आने वाले कॉंटैट निकाले गए, जिनमें से 4072 को बचाव की दवाई दी गई। उन्होंने कहा कि जिले के सभी टीबी संक्रमित मरीज को अडॉप्ट किया गया और उन्हें फूड बास्केट दिए गए। जिला क्षय रोग केंद्र कुरुक्षेत्र में सीबी एनएएटी मशीन स्थापित की गई है। पिहोवा, शाहाबाद, लाडवा व बारना सीएचसी में टर्नट मशीन स्थापित की गई है। इसके अलावा किरमच, बाबैन, इस्माइलाबाद, आदेश अस्पताल, कृष्णानगर गामडी, जिला अस्पताल में माइक्रोस्कोप टेस्टिंग की सुविधा उपलब्ध है।

प्रशासन 21 जून को करेगा पंचायतों को सम्मानित

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने एचपीवी वैक्सीनेशन, एनीमिया, जनगणना-2027, टीबी मुक्त अभियान सहित अनेक कार्यक्रम चले हुए हैं। इसके साथ ही किसी भी विकास कार्य के लिए भूमि भी पंचायतों द्वारा ही उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने पंचायतों से अपील करते हुए कहा कि सरकार व प्रशासन के कार्य व अभियानों में निरंतर सहयोग करें। इन अभियानों को बढ़चढ़ कर सहयोग करने वाली पंचायतों को 21 जून को ऐसा ही कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया जाएगा।

पंचायतों को जागरूक करने के लिए प्रतिनिधियों के साथ स्वयं पहुंचेगी गांव-गांव में : कंवलजीत कौर

जिला परिषद की चेयरपर्सन कंवलजीत कौर ने कहा कि सरकार की योजनाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियानों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वे स्वयं सरपंचों के साथ गांव-गांव में पहुंचेंगी। इस जिले के हर गांव में योजनाओं के प्रति लोगों में जागरूकता लाना बहुत जरुरी है। इस अभियान के दौरान टीकाकरण जैसे कार्यक्रमों के लाभ और तरह-तरह की भ्रांतियों को दूर करना बहुत जरुरी है। सभी के साझे प्रयासों से कुरुक्षेत्र के 403 गांवों को टीबी मुक्त बनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में डिप्टी सिविल सर्जन डा. सैलजा, डा. संदीप अग्रवाल, डा. अंजलि वैद्य ने भी स्वास्थ्य विभाग के टीकाकरण अभियानों पर विशेष प्रकाश डाला। इस मौके पर डिप्टी सीएमओ डा. जोगिंद्र मलिक, एसएमओ डा. सुरेश सहोता सहित अन्य गणमान्य लोग व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने किया 145 ग्राम पंचायतों को सम्मानित

डीसी विश्राम कुमार मीणा ने ग्राम पंचायत बीबीपुर, नई बस्ती, मुदादों, नगला, माजरी कलां, थंडरान, फतेहगढ़ चम्मू, सैनी माजरा, इस्माइलपुर, बोरीपुर, मद्दीपुर, सैदपुर, नेहर माजरा, कल्याणा, हलदेडी, छोडपुर, दादूल, पाडलू, दाऊ माजरा, पट्टी शहजादपुर, मामू माजरा, डीग, खानपुर जट्टान, जोगी माजरा, नारायणगढ़ माजरी, शरीफगढ़, मलिकपुर, बेरथली, लखमडी, त्यौडी, गढ़ी रोडान, बीबीपुर, रुआ, गढ़ी सिंघा, बटहेडी को सम्मानित किया। इसी तरह ग्राम पंचायत संधोला, तलहेडी, हेलवा, धूलगढ़, बरहन, दुगारी, जैनपुर जट्टान, बडौंदी, ध्यांगला, झज्जुपुर, मुहावाखेरी, फलसंडा रांगडान, गुहान, सुनारिया, डेरा चांदपुरा, मदोंखपुर, हरिसिंह माजरा, सूरजगढ़, बीरसुजरा, सुजरी, मंगोलीसैनी, मंगोली रांगडान, छारपुरा, हरिपुर माजरी, रामपुरा, बरगट थालीपुर, प्रहलादपुर, मथाना, सिरसमा, बीड मथाना, बिहोली, बजीदपुर, जोगना खेड़ा, बीड पिपली, कनीपला, रतन डेरा, किशनपुरा ग्राम पंचायत को सम्मानित किया। इसी तरह ग्राम पंचायत झरौली कलां,राय माजरा, ठसकली, कुम्हार माजरा, राम नगर, मदनपुर बोडा, जुल्मत, तंगोली, टयुकर, मुकिमपुर, नानकपुरा, खरकाली, जोगी माजरा, मुनियारपुर, शादीपुर, बोडी, सोढ़ी, किशनगढ़, धीरपुर, उंटसाल, रामगढ़, बकाना को सम्मानित किया। इसी तरह ग्राम पंचायत गोलपुरा, मनियारपुर, दामली, चनालहेडी, बोधनी, जखवाला, सिंहपुरा, मेघा माजरा, दुनिया माजरा, बचकी, मंडी, सूरजगढ़, अजमतपुर, शेरगढ़, मडाडो, छलोंदी, टबरा, हरिगढ़, सतौडा, झिमरहेडी, थम्बलबोडा, सयैना, रतनगढ़, नीमवाला, धनीरामपुरा, बिलोचपुरा, घिसरपडी, सिंबल वाल, गिरधारपुर, राम नगर,बरगट जट्टान, राम नगर (156), डेरू माजरा, झिंवरहेडी, समानी को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश की अनाज मंडियों में सफलतापूर्वक हो रही गेहूं की खरीद : डा. गणेश दत्त

लाडवा, 18 अप्रैल (रामगोपाल) : मार्केट कमेटी लाडवा चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश की अनाज मंडियों में सफलतापूर्वक गेहूं की खरीद हो रही है। मंडियों में गेहूं की आवक का कार्य जोरों पर चला हुआ है। सरकार द्वारा उठान होने के 48 घंटे में गेहूं की पेमेंट भी किसानों के खातों में भेजी जा रही है। चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने शनिवार को रबी सीजन 2026-27 के तहत गेहूं खरीद और उठान (लिफ्टिंग) कार्यों की समीक्षा के लिए लाडला अनाज मंडी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में किसानों और आढ़तियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का भी विस्तृत आकलन किया। उन्होंने मंडी में गेट पास और बायोमेट्रिक प्रणाली की जांच की। उन्होंने अधिकारियों से गेहूं की आवक, खरीद और उठान से संबंधित विस्तृत जानकारी ली और किसानों व आढ़तियों से सीधा संवाद कर उनका फीडबैक भी प्राप्त किया। इस दौरान किसानों के मांगपत्र को लेते हुए आश्वासन दिया कि उनकी मांग को मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि किसानों और आढ़तियों को आसानी से वेरिफिकेशन पूरा करने में मदद करने के लिए मंडी में कई जगहों पर बायोमेट्रिक मशीनें लगाई गई हैं। इसके अलावा, भीड़भाड़ से बचाव के लिए गेट पास जारी करने हेतु कई मोबाइल प्वाइंट भी स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मंडी में किसानों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश भी दिए कि किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि खरीदी गई फसल का भुगतान 72 घंटे के भीतर किसानों के बैंक खातों में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को उठान प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस मौके पर मंडी के सचिव संत कुमार भी मौजूद रहे।

स्कूल के अंदर पढ़ रहे बच्चों की सुरक्षा एवं सहयोग की भावना के लिए दिया गया प्रशिक्षण : पूजा छाबड़ा

लाडवा, 18 अप्रैल (रामगोपाल) : सुगनी देवी स्कूल लाडवा मे भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के निर्देशानुसार वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी, महासचिव डॉ. सुनील कुमार एवं रमेश कुमार कार्यवाहक सचिव एवं डीटीओ कुमारी अंजू कश्यप जिला रेड क्रॉस सोसाइटी कुरुक्षेत्र के मार्गदर्शन मे सभी बस चालक/परिचालक को प्राथमिक सहायता एवं सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया। यह जानकारी स्कूल की प्रिंसिपल पूजा छाबडा ने दी। उन्होंने बताया शनिवार को प्रवक्ता संदीप कुमार मुरली ने स्कूल के ऑडिटोरियम मे 23 बस चालक/परिचालक को प्राथमिक सहायता एवं सीपीआर का प्रशिक्षण को दिया। प्रवक्ता संदीप कुमार मुरली ने बस चालक/परिचालक को जिंदगी में किस प्रकार एक दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को बचाना है और उसकी सहायता करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना है उसके बारे में विशेष रूप से विस्तार में बताया। स्कूल द्वारा बस चालक/परिचालक को प्राथमिक सहायता एवं सीपीआर का प्रशिक्षण स्कूल के अंदर पढ़ रहे बच्चों की सुरक्षा एवं सहयोग की भावना के लिए दिया गया। इस प्रशिक्षण के लिए प्रिंसिपल पूजा छाबडा, मुख्याध्यापिका अर्चना, अधीक्षक मोहनलाल गुप्ता एवं रवि कुमार ने रेड क्रॉस सोसाइटी कुरुक्षेत्र का धन्यवाद किया गया।

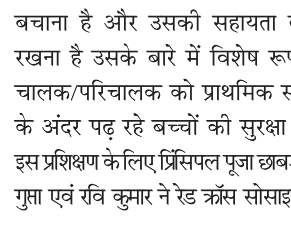

जागरण के लिए किया भूमि पूजन

शाहाबाद मारकंडा, 18 अप्रैल (रूबी) : सिद्ध श्री बाबा बालक नाथ मंदिर सभा द्वारा आयोजित जागे दी रात पौंणाहारी के साथ कार्यक्रम को लेकर भूमि पूजन किया गया। पंडित सुनील वशिष्ठ द्वारा विधि विधान से पूजा करवाई गई। भूमि पूजन में डॉ. रविकांत शर्मा व पार्षद डॉ. प्रवीण शर्मा मुख्यातिथि रहे। भूमि पूजन उपरांत सभा के प्रधान मयंक चावला ने बताया कि सभा द्वारा हर वर्ष जागरण व भंडारे का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि 26 अप्रैल को श्री हरमिलापी कृष्णा मंदिर धर्मशाला में समाजसेवी गौरव अरोड़ा के सहयोग से भंडारा लगाया जाएगा। इस अवसर पर सभा के चेयरमैन बलदेव राज चावला, जसवंत लाल, इंद्र मोहन वशिष्ट, अनिल शर्मा, भगत विनोद साहनी, निखिल, अभय गुप्ता, रजत आनंद, सुनील आनंद सहित सभा के सदस्य मौजूद थे।

बैडमिंटन चैम्पियनशिप में अव्वल स्थान पर रहे नमन शर्मा

करनाल, 18 अप्रैल (सोनी दुआ) : शिक्षा के साथ-साथ जब कोई विद्यार्थी खेलों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाता है तो अपने स्कूल और अभिभावकों को गौरवांवित करता है। कुछ ऐसा ही जेपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र नमन शर्मा ने किया है। बेडमिंटन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर नमन ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बी-24 बेडमिंटन अकादमी निर्मल विहार की ओर से आयोजित ओपन चैंपियनशिप अंडर-17 कैटेगरी में नमन ने यह उपलब्धि हासिल की। इस टूर्नामेंट में 250 खिलाडियों ने हिस्सा लिया। अंडर-17 केटेगरी में 64 खिलाड़ी आमने सामने हुए। जेपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के निदेशक डॉ. संजय पठानिया एवं प्रधानाचार्या इंदु बाला और समस्त स्टॉफ ने नमन शर्मा को इस उत्कृष्ट सफलता पर बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विश्वास है कि वह आगे भी इसी प्रकार नई उंचाइयों को प्राप्त करते रहेंगे। संजय पठानिया ने कहा कि नमन की यह शानदार उपलब्धि उनके निरंतर परिश्रम, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय को सम्मान दिलाया है, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत बनी है।

श्रद्धालुओं ने टेका श्री बैकुंठपुरी हनुमान मंदिर में माथा, किया प्रसाद ग्रहण

शाहाबाद मारकंडा, 18 अप्रैल (रूबी) : बैकुंठपुरी श्री हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं ने माथा टेका और प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर सभा के प्रधान सुधीर सूद ने बताया कि मंदिर परिसर में समाजसेवी रजनीश गर्ग एवं उनके परिवार द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। अमीषा गर्ग व हिमांशु ने श्री राम दरबार में पूजा-अर्चना की। उपरांत भगवान को भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया। परिवार के सदस्यों ने भंडारा वितरण में भी श्रद्धाभाव से सेवा की। सुधीर ने बताया कि भजनीक अनमोल ने च्मेनू राम जी दे चरना दा दिन रात सहारा है, मेरी डुबदी नैया नू बस तेरा सहारा है भजन प्रस्तुत कर समा बांधा। इस अवसर पर सीता राम बत्तरा, सुरिन्दर लांबा, अनमोल छाबड़ा, अशोक भाटिया, तिलक अग्रवाल, रामा, श्रवण, ओम प्रकाश, सीमा, प्रेमिका साहनी, रोशनी, अविनाश चन्द्र, सत पाल सहित श्रद्धालु उपस्थित थे।

देवीगढ़ के अपोलो पब्लिक स्कूल में उत्साह के साथ मनाया गया येलो-डे

देवीगढ़, 18 अप्रैल (ब्यूरो) : अपोलो पब्लिक स्कूल देवीगढ़ में येलो-डे बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल की प्रिंसिपल नीलिमा दीक्षित सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

कार्यक्रम में नन्हे विद्यार्थियों ने पीले रंग के आकर्षक परिधान पहनकर भाग लिया, जिससे पूरा वातावरण रंग-बिरंगा और आनंदमय हो गया। बच्चे अपने साथ पीले रंग से संबंधित विभिन्न खाद्य सामग्री भी लेकर आए, जिसके माध्यम से उन्हें इस रंग के महत्व और उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को रोचक और शिक्षाप्रद बनाने के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पीले रंग पर आधारित कविताएं प्रस्तुत कीं तथा शिक्षकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का परिचय दिया। इस अवसर पर प्रिंसिपल नीलिमा दीक्षित ने कहा कि इस प्रकार की सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इससे बच्चों को सीखने के साथ-साथ रंगों की पहचान और रचनात्मकता को बढ़ावा मिलता है।

भारतीय पार्शव गायन की बेजोड़ मल्लिका आशा भौंसले

आशा भोंसले ने अपने जीवन में निजी त्रासदियों, विशेषकर अपने बच्चों के निधन (2012 में बेटी वर्षा और 2015 में बेटे आनंद) के बाद, अकेलेपन और दुख से उबरने के लिए ईश्वर और आध्यात्मिकता का सहारा लिया। उन्होंने भक्ति संगीत में शांति पाई और ध्यान व क्रिया का नियमित अभ्यास किया।आशालाता गणपत भोसले (जन्म आशालाता दीनानाथ मंगेशकर; 8 सितंबर 1933 ङ्क 12 अप्रैल 2026) एक भारतीय पार्श्व गायिका, व्यवसायी, अभिनेत्री और टेलीविज़न हस्ती थीं, जिन्होंने मुख्य रूप से भारतीय सिनेमा में काम किया। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली, उन्हें मीडिया में हिंदी सिनेमा की सबसे महान और सबसे प्रभावशाली गायिकाओं में से एक के रूप में वर्णित किया गया था। आठ दशकों से अधिक के अपने करियर में, उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों और एल्बमों के लिए गाने रिकॉर्ड किए और कई पुरस्कार जीते, जिनमें दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, चार क्व्नद्ध पुरस्कार, अठारह महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार, नौ फिल्मफेयर पुरस्कार (एक लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार सहित) और सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका के लिए रिकॉर्ड सात फिल्मफेयर पुरस्कार शामिल हैं; इसके अलावा उन्हें दो ग्रैमी नामांकन भी मिले। वर्ष 2000 में, उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो सिनेमा के क्षेत्र में भारत का सर्वोच्च पुरस्कार है। वर्ष 2008 में, भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया, जो देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने वर्ष 2011 में उन्हें संगीत के इतिहास में सबसे अधिक गाने रिकॉर्ड करने वाली कलाकार के रूप में मान्यता दी। भोसले पार्श्व गायिका लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं और प्रतिष्ठित मंगेशकर परिवार से ताल्लुक रखती थीं। अपनी सोप्रानो (ऊंची) आवाज़ की रेंज के लिए मशहूर और अक्सर अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए सराही जाने वाली, उनके काम में फिल्मी संगीत, पॉप, ग़ज़ल, भजन, पारंपरिक भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक गीत, कव्वाली और रवींद्र संगीत शामिल थे। हिंदी के अलावा, उन्होंने 20 से अधिक भारतीय और विदेशी भाषाओं में गाने गाए थे। वर्ष 2013 में, उन्होंने माई (स्द्गद्ब) फिल्म में एक अभिनेत्री के रूप में अपना डेब्यू किया और अपने अभिनय के लिए आलोचकों की प्रशंसा प्राप्त की। वर्ष 2006 में, उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने करियर में 12,000 से अधिक गाने रिकॉर्ड किए हैं, एक ऐसा आंकड़ा जिसे कई अन्य स्रोतों द्वारा भी दोहराया गया है। शुरुआती जीवन में आशा लता दीनानाथ मंगेशकर का जन्म सांगली के छोटे से गाँव गोअर में हुआ था। उस समय यह सांगली रियासत (अब महाराष्ट्र में) का हिस्सा था। उनका जन्म पंडित दीनानाथ मंगेशकर के संगीत-प्रेमी परिवार में हुआ था; दीनानाथ मराठी और कोंकणी मूल के थे, और उनकी पत्नी शेवंती गुजराती थीं। दीनानाथ मराठी संगीत मंच के एक अभिनेता और शास्त्रीय गायक थे। जब भोसले नौ साल की थीं, तब उनके पिता का निधन हो गया। इसके बाद उनका परिवार पुणे से कोल्हापुर और फिर मुंबई चला गया। अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए उन्होंने और उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर ने फ़िल्मों में गाना और अभिनय करना शुरू कर दिया। उन्होंने अपना पहला फ़िल्मी गीत चला चला नव बाला 1943 में आई मराठी फ़िल्म माझा बाल के लिए गाया था। इस फ़िल्म का संगीत दत्ता दावजेकर ने तैयार किया था। हिंदी फ़िल्मों में उनकी शुरुआत तब हुई, जब उन्होंने हंसराज बहल की फ़िल्म चुनरिया (1948) के लिए सावन आया गीत गाया; हालाँकि, उसी साल चुनरिया से पहले एक और फ़िल्म अंधों की दुनिया रिलीज़ हुई थी; इन दोनों ही फ़िल्मों में उन्होंने तीन-तीन गीत गाए थे। उनका पहला एकल हिंदी फ़िल्मी गीत फ़िल्म रात की रानी (1949) के लिए था। असमिया फ़िल्मों में उनकी शुरुआत 1969 में हुई, जब उन्होंने किशोर कुमार और डॉ. भूपेन हज़ारिका के साथ मिलकर फ़िल्म सिकिमिकि बिजुली के लिए पोखिराज घोरा गीत गाया।भोसले खुद को एक इत्तेफ़ाकी गायिका मानती थीं, जिन्होंने अपने पिता दीनानाथ मंगेशकर, उनके शिष्यों और अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर को गाते हुए ध्यान से सुनकर ही गाना सीखा था। उम्र चाहे जो भी रही हो, उन्होंने रोज़ाना रियाज़ (अभ्यास) करना कभी नहीं छोड़ा; उनका कहना था कि उनके लिए संगीत साँस लेने जितना ही ज़रूरी है।उनकी बहनें, लता और उषा मंगेशकर, भी पार्श्व गायिकाएँ रही हैं। उनकी बड़ी बहन मीना मंगेशकर और छोटे भाई हृदयनाथ मंगेशकर संगीत निर्देशक हैं।1940 के दशक के आखिर से लेकर 1950 के दशक की शुरुआत तक, गीता दत्त, शमशाद बेगम और लता मंगेशकर जैसी जानी-मानी पार्श्व गायिकाओं का ही बोलबाला था; वे ही फ़िल्मों की मुख्य अभिनेत्रियों और बड़ी फ़िल्मों के लिए गाने गाती थीं। 1950 के दशक में, भोसले ने हिंदी फ़िल्मों में ज़्यादातर प्लेबैक सिंगर्स से ज़्यादा गाने गाए। इनमें से ज़्यादातर गाने कम बजट वाली फ़िल्मों में थे। उनके शुरुआती गाने ए. आर. कुरैशी, सज्जाद हुसैन, एस. मोहिंदर, सरदार मलिक, गुलाम मोहम्मद और कुछ अन्य लोगों ने कंपोज़ किए थे।[सज्जाद हुसैन द्वारा कंपोज़ की गई फ़िल्म संगदिल (1952) में गाने से उन्हें काफ़ी पहचान मिली। उसी साल, फ़िल्म छम छमा छम में ओ. पी. नैयर के निर्देशन में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई इसके बाद, फ़िल्म डायरेक्टर बिमल रॉय ने उन्हें परिणीता (1953) में गाने का मौका दिया।

राज कपूर ने उन्हें बूट पॉलिश (1954) के सभी गाने गाने के लिए साइन किया।

बादशाह ने किया विवादित गाने का संशोधित संस्करण टटीरी फिर से जारी

अपने विवादित गाने टटीरी का नया और संशोधित संस्करण टटीरी फिर से सिंगर बादशाह ने रिलीज कर दिया है। टटीरी गाने पर बैन लगने के बाद बादशाह ने इस बार लिरिक्स और वीडियो में महत्वपूर्ण बदलाव करके गाने को दोबारा पेश किया है। बादशाह ने इस नए ट्रैक में हरियाणा की समृद्ध और अनूठी संस्कृति को आधुनिक हिप-हॉप बीट्स के साथ मिलाकर एक नया प्रयोग किया है, और इसे राज्य स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियन सिमरन जागलान ने अपनी दमदार आवाज दी है, जिससे गाने को एक विशेष ऊर्जा मिली है। बादशाह ने टटीरी फिर से को सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि संस्कृति, ताकत और स्वैग का मिश्रण बताते हुए एक अलग ही एहसास करार दिया है। इस बार गाने में पिछले विवादों को ध्यान में रखते हुए कई बदलाव किए गए हैं। गाने के शुरुआती रैप को पूरी तरह से हटा दिया गया है, जिसमें पहले लड़कियों को लेकर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। इसकी जगह सिंगर ने गाने पर लगे बैन के बाद अपने कमबैक और वापसी की कहानी को शब्दों में पिरोकर पेश किया है, जो उनके प्रशंसकों के लिए एक खास संदेश है। दृश्य-रूप से भी गाने में बदलाव किए गए हैं। गाने से स्कूल की ड्रेस में डांस कर रही लड़कियों वाले सीन को हटा दिया गया है, और साथ ही विवादित बस वाले सीन भी अब वीडियो में मौजूद नहीं हैं। इनकी जगह, नए गाने में हरियाणा के बुजुर्गों के खास स्वैग को दिखाया गया है, और कुछ नए डांस वीडियो को जोड़कर गाने को और अधिक मनोरंजक और स्वीकार्य बनाया गया है।

इन बदलावों से यह सुनिश्चित किया गया है कि गाना किसी भी तरह के सामाजिक विवाद से मुक्त रहे और सभी वर्गों के दर्शकों द्वारा सराहा जा सके। पूरे गाने में, सिंगर ने अपने जबरदस्त कमबैक और संगीत जगत में अपने जलवे को फिर से स्थापित करने की बात कही है। बादशाह के इस नए प्रयास को सोशल मीडिया पर जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है। फैंस इस गाने को हरियाणा का नया डांसिंग नंबर बता रहे हैं और इसे खूब पसंद कर रहे हैं। यह दिखाता है कि बादशाह ने पिछली गलतियों से सीखा है और एक ऐसा उत्पाद पेश किया है जो उनके प्रशंसकों की उम्मीदों पर खरा उतरता है। यह ध्यान देने योग्य है कि बादशाह के मूल टटीरी गाने को लेकर विवाद इतना गहरा गया था कि उन्हें पहले सोशल मीडिया पर और फिर हरियाणा राज्य महिला आयोग के सामने पेश होकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी थी। गाने में महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया था और बिना इजाजत के सरकारी स्कूल की ड्रेस और सरकारी बसों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने गंभीर सवाल खड़े किए थे।

सामाजिक संदेश के साथ डर का सशक्त मिश्रण है छोरी 2

बॉलीवुड एक्टर नुशरत भरुचा अभिनीत छोरी फ्रेंचाइज़ी ने एक अलग पहचान बनाई है। नुशरत भरुचा के शानदार अभिनय से सजी छोरी और छोरी 2 पारंपरिक कहानी कहने के तरीकों से आगे बढ़कर, समाज में व्याप्त गंभीर समस्याओं को इस तरह पेश करती हैं, जो एक साथ दिलचस्प और असहज दोनों लगती हैं।

पहली फिल्म छोरी ने लैंगिक भेदभाव और लड़कों को प्राथमिकता देने जैसी मानसिकता पर प्रकाश डाला था, जिससे वह अपनी मजबूत सामाजिक बात के लिए अलग नजर आई। छोरी 2 ने इस कहानी को और आगे बढ़ाते हुए एक ज्यादा डार्क और जटिल भावनात्मक दायरे में प्रवेश किया, जहाँ डर, मातृत्व और संघर्ष जैसे विषयों को और गहराई से खोजा गया, लेकिन सामाजिक वास्तविकताओं से इसका जुड़ाव बना रहा। इन फिल्मों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इन्होंने सामाजिक मुद्दों को किसी उपदेश की तरह नहीं दिखाया, बल्कि हॉरर के माध्यम से इन प्रथाओं के डर और परिणामों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इस फ्रेंचाइज़ी का संतुलन उल्लेखनीय है। हॉरर मौजूद है, लेकिन वह कहानी पर हावी नहीं होता, बल्कि उसे सहारा देता है, जिससे सामाजिक संदेश अधिक प्रभावशाली और सहज तरीके से सामने आता है, न कि उपदेशात्मक ढंग से। यही बात छोरी फ्रेंचाइज़ी को उस जॉनर में अलग बनाती है जहाँ अक्सर कहानी की गहराई पीछे छूट जाती है। नुशरत भरुचा की उपस्थिति दोनों ही फिल्मों में एक निरंतरता और भावनात्मक जुड़ाव प्रदान करती है। उनके किरदार का सफर पूरी कहानी को जोड़ता है, जिससे दर्शक सिर्फ डर ही नहीं, बल्कि कहानी के अंतर्निहित संदेश में भी विश्वास करते हैं। आज के बदलते कंटेंट माहौल में, जहाँ दर्शक गहराई वाली कहानियों के लिए अधिक खुले हैं, वहाँ छोरी और छोरी 2 बेहद प्रासंगिक महसूस होती हैं। यह दर्शाती हैं कि हॉरर को सिर्फ मनोरंजन के रूप में नहीं, बल्कि असहज सच्चाइयों को उजागर करने के एक माध्यम के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। छोरी 2 के एक साल बाद, जिस तरह इस फ्रेंचाइज़ी ने अपनी दुनिया को आकार दिया है, उससे साफ है कि कहानी आगे भी बढ़ सकती है।

अक्षय कुमार की भूत बंगला बटोर रही जबरदस्त चर्चा

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की आगामी फिल्म भूत बंगला इंटरनेट पर अपनी जबरदस्त चर्चा बटोर रही है। फिल्म निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना ओ सुंदरी रिलीज कर दिया है, जो आते ही सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। भूत बंगला फिल्म का यह नया गाना ओ सुंदरी एक जीवंत और ऊर्जावान शादी के जश्न पर आधारित ट्रैक है, जिसे सुनते ही लोग अपने कदमों को थिरकने से रोक नहीं पाएंगे। यह गाना मस्ती और खुशी के पलों को बेहद खूबसूरती से दर्शाता है, जिसे किसी भी शादी या पार्टी की प्लेलिस्ट का हिस्सा बनने में देर नहीं लगेगी। गाने की सबसे खास बात इसका आकर्षक संगीत और ऊर्जा से भरपूर डांस है, जो देखते ही बनता है। इस गाने को विशाल मिश्रा, नकाश अजीज और अंतरा मित्रा जैसे प्रतिभाशाली गायकों ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसका संगीत बॉलीवुड के जाने-माने संगीतकार प्रीतम ने तैयार किया है। इस संगीत संयोजन ने गाने को एक यादगार और जोशीला रूप दिया है। वीडियो में अक्षय कुमार और अभिनेत्री वामिका गब्बी की शानदार केमिस्ट्री दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही है। दोनों के डांस मूव्स बेहद दमदार और आकर्षक हैं, जो गाने की ऊर्जा को और बढ़ाते हैं। उनके बीच की तालमेल और सहजता गाने को और भी मनोरंजक बना रही है।

गाने में अभिनेत्री मिथिला पालकर भी नजर आ रही हैं, जो फिल्म में अक्षय की बहन का महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं। गाने में मिथिला की सगाई का समारोह दिखाया गया है, जहां अक्षय अपनी बहन के प्रति अपने गहरे प्यार और खुशी को जाहिर करते हुए जमकर डांस करते हैं। कभी वह अपनी बहन को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद देते हुए दिखते हैं, तो कभी झूमते हुए उनके साथ मस्ती भरे डांस में शामिल हो जाते हैं, जो भाई-बहन के रिश्ते की खूबसूरती को दर्शाता है। यह गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और दर्शकों के बीच अपनी जगह बना चुका है। इसे यूट्यूब और अन्य स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर लाखों व्यूज मिल रहे हैं, जिससे इसकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है। निर्देशक प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पहली बार अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं, जिससे दर्शकों में एक नई जोड़ी को देखने का उत्साह है। इसके अलावा, फिल्म में परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और असरानी जैसे बॉलीवुड के कई अनुभवी कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे, जो फिल्म की कहानी को और भी मजबूती प्रदान करेंगे। फिल्म भूत बंगला 17 अप्रैल को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के मेकर्स को इससे काफी उम्मीदें हैं, खासकर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी को लेकर। बता दें कि अक्षय कुमार और प्रियदर्शन ने इससे पहले 2010 में रिलीज हुई फिल्म खट्टा मीठा में साथ काम किया था।

बेटी समीशा संग योग करती दिखीं शिल्पा, वीडियो ने खींचा ध्यान-सोशल मीडिया पर बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने एक ऐसा प्रेरणादायक वीडियो साझा किया, जिसमें फिटनेस के साथ-साथ मां-बेटी के खूबसूरत और भावनात्मक रिश्ते की झलक भी देखने को मिली। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से लोगों का ध्यान खींच रहा है और खूब सराहा जा रहा है। दरअसल, शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक प्यारा सा वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी नन्ही बेटी समीशा शेट्टी कुंद्रा के साथ योग करती नजर आ रही हैं। वीडियो में दोनों मां-बेटी योग मैट पर लेटकर उभय पादंगुष्ठासन करने की कोशिश करती हैं। इस दौरान, शिल्पा अपनी बेटी को यह आसन करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं, लेकिन छोटी समीशा मासूमियत से कहती है कि वह इसे नहीं कर पा रही। इस पर एक मां होने के नाते शिल्पा शेट्टी अपनी बेटी को हौसला देती हैं और प्यार से समझाती हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं है, जो आप नहीं कर सकती। मां के इस आत्मविश्वास भरे शब्दों और हौसले के बाद, दोनों अनंतासन करती दिखती हैं। इस बार, समीशा शेट्टी इस आसन को बहुत अच्छे से कर लेती हैं, जो उसकी एकाग्रता और सीखने की क्षमता को दर्शाता है। इस मनमोहक वीडियो को साझा करते हुए, शिल्पा शेट्टी ने कैप्शन में अपने गहरे इमोशन्स और अनुभवों को व्यक्त किया।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी को तुम्बाड-2 से ढेर सारी उम्मीदें

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी को कल्ट हॉरर-फैंटेसी फिल्म तुम्बाड के दूसरे सीजन में एक महत्वपूर्ण किरदार के लिए शामिल किया गया है। दर्शकों को उम्मीद है कि यह सीक्वल पहले से कहीं अधिक रोमांचक और प्रभावशाली होगा। फिल्म के पहले भाग में विनायक राव की प्रमुख भूमिका निभाने वाले सोहम शाह ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार फोटो शेयर कर नवाजुद्दीन के जुड़ने की घोषणा की। फोटो में दोनों कलाकार रस्सी के सहारे मस्ती करते नजर आ रहे हैं। पोस्ट के जरिए सोहम ने लिखा, हमें खुशी है कि हमारे समय के सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में से एक नवाजुद्दीन सिद्दीकी 'तुम्बाड-2' से जुड़ गए हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है, जो नवाजुद्दीन के किरदार और फिल्म की रिलीज़ डेट को लेकर लगातार सवाल कर रहे हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी, जो अपने गहन और मनोवैज्ञानिक रूप से जटिल किरदारों के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म में भी एक बेहद मजबूत और लेयर्ड भूमिका निभाने वाले हैं। हालांकि उनके किरदार की कहानी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि उनकी उपस्थिति सीक्वल के तनाव, रहस्य और हॉरर को कई गुना बढ़ा देगी। अभिनेता ने भी फिल्म का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि वे लंबे समय से 'तुम्बाड' की मौलिकता और उसके अनोखे माहौल की प्रशंसा करते रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जब सोहम शाह ने सीक्वल का विज़न साझा किया, तो कहानी ने उन्हें तुरंत आकर्षित किया और उन्होंने इस सफ़र में शामिल होने का फैसला कर लिया। नवाजुद्दीन ने यह भी कहा कि उनका किरदार कई परतों वाला है, जिसे निभाने के लिए वे बेहद उत्सुक हैं। फिल्म का निर्माण पेन स्टूडियोज कर रहा है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं हुई है, लेकिन मेकर्स जल्द ही इसे फ्लोर पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। उम्मीद है कि तुम्बाड 2 अपने पहले भाग की तुलना में ज्यादा हॉरर, सस्पेंस और चौंकाने वाले मोड़ लेकर आएगी।

क्या ईशा और अविनाश ने कर ली सगाई

टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस ईशा सिंह इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह अभिनेता अविनाश मिश्रा का हाथ थामे नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में ईशा की उंगली में पहनी अंगूठी ने फैंस के बीच हलचल मचा दी है, जिसके बाद से दोनों की सगाई की खबरें तेजी से वायरल हो रही हैं। यह पहली बार नहीं है जब ईशा और अविनाश की नजदीकियों की चर्चा हुई है। बिग बॉस 18 के दौरान उनकी दोस्ती ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं, और तभी से उनके रिलेशनशिप को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, दोनों ने हमेशा एक-दूसरे को अपना अच्छा दोस्त बताया है, जिसके कारण यह नई तस्वीर उनके प्रशंसकों के लिए एक बड़ा सवाल बन गई है और अटकलों का बाजार गर्म है। इस नई तस्वीर ने फैंस को भ्रमित कर दिया है। जहां एक तरफ कई लोग इसे दोनों की सगाई का सीधा इशारा मान रहे हैं और बधाई दे रहे हैं, वहीं कुछ का मानना है कि यह किसी आगामी प्रोजेक्ट का हिस्सा या एक प्रमोशनल स्टंट भी हो सकता है। सच्चाई क्या है, इस पर अभी तक ईशा या अविनाश की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

फिल्मों की सफलता के बाद रणवीर में आया जबर्दस्त बदलाव- मानव गोहिल -बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर और धुरंधर-द रिवेंज में सह-कलाकार रहे मानव गोहिल ने अभिनेता रणवीर सिंह के व्यक्तित्व में आए बदलावों पर खुलकर बात की है। मानव का कहना है कि दोनों फिल्मों की जबरदस्त सफलता और पिता बनने के बाद रणवीर सिंह में एक गहरा परिवर्तन आया है, जो उनके पहनावे से लेकर मीडिया में उनकी उपस्थिति तक हर चीज़ में साफ दिखाई देता है।

मानव गोहिल ने बताया कि रणवीर सिंह वर्तमान में बदलाव के दौर में हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि रणवीर इस समय अपने जीवन के एक बहुत जरूरी दौर से गुजर रहे हैं - वे बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। वो पिता बन चुके हैं और एक ऐतिहासिक फिल्म के मुख्य कलाकार हैं। वो पहले से ही सुपरस्टार हैं और एक महान एक्टर हैं। आज जो भी उनके पास है, वो उसके हकदार हैं। मुझे यकीन है कि उनके फैसलों के पीछे कोई बड़ी वजह है। गोहिल ने आगे बताया कि रणवीर के कपड़े पहनने के तरीके, मीडिया के सामने उनकी उपस्थिति और यहां तक कि उनके व्यवहार में भी एक नयापन आया है। अब वे अक्सर अधिक सुव्यवस्थित और परिपक्व कपड़ों में नजर आते हैं, जो उनके एक नए और गंभीर अवतार को दर्शाता है। गोहिल का मानना है कि रणवीर अब एक बिल्कुल अलग व्यक्ति के रूप में उभरे हैं। मानव गोहिल से रणवीर सिंह के कांतारा विवाद पर भी सवाल किया तो मानव ने रणवीर का बचाव करते हुए कहा, रणवीर केवल भारत में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में सुपरस्टार हैं। मुझे यकीन है कि अपनी स्टारडम को संभालने को लेकर वो और ज्यादा जिम्मेदार हो गए हैं। गोहिल ने यह भी जोड़ा कि रणवीर को ऐसे महत्वपूर्ण फैसले लेने में उनका मार्गदर्शन करने वाले लोग हैं, और उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण स्वयं एक बहुत ही समझदार महिला हैं, जो उन्हें सही दिशा दिखाती हैं।

यह टिप्पणी उस समय आई थी जब कांतारा फिल्म पर रणवीर सिंह की कुछ टिप्पणियों को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बहस छिड़ गई थी। मानव गोहिल ने धुरंधर 1 और धुरंधर 2 दोनों में सुशांत बंसल का महत्वपूर्ण किरदार निभाया है। खुद मानव गोहिल ने अपने करियर की शुरुआत साल 2001 में टेलीविजन शो चूड़ियां से की थी। इसके बाद वह कहानी घर घर की, कुसुम, कसौटी जिंदगी की और सीआईडी जैसे लोकप्रिय शोज में नजर आए और टीवी जगत में एक स्थापित नाम बन गए। धुरंधर 1 पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं, धुरंधर 2 इस साल 19 मार्च को सिनेमाघरों में आई है और यह भी बॉक्स ऑफिस पर सफलता के नए कीर्तिमान गढ़ रही है।

मातृभूमि का मूल उद्देश्य है सशक्त शांति का संदेश देना

बॉलीवुड फिल्म बैटल ऑफ गलवान का नाम बदलकर मातृभूमि किए जाने को लेकर सोशल मीडिया पर पिछले दिनों काफी चर्चा रही। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की इस अपकमिंग फिल्म को लेकर कई कयास लगाए जा रहे थे कि शायद फिल्म की स्क्रिप्ट में बड़ा बदलाव किया गया है और कहानी को एक युद्ध-केंद्रित ड्रामा से हटाकर देशभक्ति वाले विषय में बदल दिया गया है। हालांकि, अब एक ताजा रिपोर्ट ने इन सभी अटकलों को खारिज करते हुए नाम बदलने की असली वजह सामने ला दी है।

बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में गरिमामयी इन्वेस्टीचर समारोह

बरनाला, 18 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में आज अत्यंत गरिमामय वातावरण में न इन्वेस्टीचर समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नव-निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को औपचारिक रूप से उनके पद एवं दायित्व सौंपे गए। यह अवसर विद्यालय के लिए गर्व और प्रेरणा का प्रतीक बना, जहाँ अनुशासन, नेतृत्व और जिम्मेदारी की भावना का सशक्त प्रदर्शन देखने को मिला। छात्र परिषद के सदस्यों को बैज एवं सैश प्रदान कर उन्हें उनके उत्तरदायित्वों की याद दिलाई गई। यह क्षण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण रहा, जिसने उनके भीतर नेतृत्व की भावना को और सशक्त किया। विभिन्न हाउस के प्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने समूह का नेतृत्व करने के लिए तत्परता और उत्साह का परिचय दिया। विद्यालय के प्रबंधन ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि निवेश्चर समारोह विद्यार्थियों के जीवन में नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच है। विद्यालय के चेयरमैन श्री प्रमोद अरोड़ा जी ने कहा कि नेतृत्व केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों को ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाना है। विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती गीता अरोड़ा जी, श्री निखिल अरोड़ा जी एवं श्रीमती नेहुल अरोड़ा जी ने अपने संदेश में कहा कि छात्र परिषद विद्यालय की रीढ़ होती है, जो अनुशासन और संगठन की भावना को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है इसके पश्चात विद्यालय की प्रिंसीपल मनिंदरजीत कौर धालीवाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि एक सच्चा नेता वही होता है, जो अपने कर्तव्यों को निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाता है। समारोह के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी सभी का मन मोह लिया, जिससे कार्यक्रम में और अधिक ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ। विद्यार्थियों ने अनुशासन और एकता का परिचय देते हुए पूरे कार्यक्रम को सफल बनाया। इस प्रकार, बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित इन्वेस्टीचर समारोह न केवल एक औपचारिक प्रक्रिया रहा, बल्कि यह विद्यार्थियों के भीतर नेतृत्व, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करने का एक प्रेरणादायक मंच सिद्ध हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों को भविष्य में एक सक्षम और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करता है।

छात्राओं के उवल भविष्य की कामना के लिए डीएवी गर्ल्स कॉलेज में हुआ हवन यज्ञ

यमुनानगर, 18 अप्रैल (दिनेश कुमार) : डीएवी गर्ल्स कॉलेज महात्मा हंसराज जयंती एवं सत्र समापन के अवसर पर यज्ञ आयोजन किया गया। आचार्य धर्मेंद्र शास्त्रीने विधिवत मंत्र उच्चारण के साथ हवन करवाया व छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। हरियाणा की पहली बस महिला चालक कोमल कांबोज व डॉ गौरव कांबोज मुख्य यजमान रहे। डीएवी स्कूल्स के चेयरमैन विजय कपूर मुख्य अतिथि रहे। डीएवी कालेज की सेवानिवृत प्रोफेसर आशा कपूर, सेंट्रल बैंक मैनेजर सचिंद्र कुमार व डिप्टी मैनेजर शालू गर्ग विशिष्ठ अतिथि रहीं। कॉलेज की कार्यवाहक प्रिंसिपल डॉ सुरिंद्र कौर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। सबसे पहले महान शिक्षाविद् एवं डीएवी संस्थाओं के संस्थापक महात्मा हंसराज जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। आचार्य धर्मेंद्र शास्त्री ने कहा कि ऐसे महात्मा अपने समय के साथ.साथ भविष्य के लिए भी कल्याणकारी कार्य करते हैं जो स्मरणीय है। इसके साथ ही उन्होंने छात्राओं को परीक्षा में मेहनत करके अच्छा परिणाम लाने का आशीर्वाद दिया। विजय कपूर ने कहा की महात्मा हंसराज जी महान विभूति थे उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन जन सेवा में व्यतीत किया नारी शिक्षा के लिए उन्होंने डीएवी संस्थाओं की स्थापना की और जगन्नाथ कपूर ने उनकी इस परंपरा को आगे बढ़ाया। कोमल कंबोज ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत और विश्वास पर हर सफलता हासिल की जा सकती है सभी छात्राओं को यही संदेश है कि अपने परिवारजनों को जिन्होंने आपको अध्ययन के लिए भेजा है उनके विश्वास को कभी नहीं तोड़ना है और उनके सम्मान को बढ़ाना है। सुरेंद्र कौर ने सभी छात्रों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे जीवन की सभी परीक्षाओं में हमेशा सफलता हासिल करें।

ग्लोब हेरिटेज ने क्रिकेट चैंपियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त कर परचम लहराया

– सार्थक बने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज व हितेश राणा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज

लाडवा, 18 अप्रैल (राम गोपाल) : ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने क्रिकेट चैंपियनशिप में परचम लहराया। स्कूल के खेलकूद विभाग के अध्यापक संजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि संजय गांधी स्कूल हरनौल में सुरेंद्रा क्रिकेट अकादमी की तरफ से सुरेंद्रा प्रीमीयर लीग आयोजित की गयी जिसमें ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल की अंडर 14 बॉयज क्रिकेट टीम ने द्वितीय स्थान हासिल कर स्कूल का व क्षेत्र का नाम रोशन किया। विजेता टीम में सार्थक, ख़्वीश, लेविन, दिव्यम, दक्ष, दिग्विजय, रूद्र शर्मा, शौर्य, हितेश, परवर, युवराज, भारत व हितेश राणा शामिल रहे। सार्थक को चैंपियनशिप के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज व हितेश राणा को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज पुरस्कार से नवाजा गया। स्कूल में पहुँचने पर विजेताओं का स्वागत किया गया। विजेताओं का स्वागत करने के पश्चात प्रधानाचार्या रीतू सिंगला ने खिलाड़ियों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों ने इस चैंपियनशिप में भाग लिया वो सभी बधाई के पात्र हैं व टीम के प्रशिक्षक बच्चों को इतनी मेहनत कराने के लिए सराहना के पात्र हैं। उन्होंने इस जीत को ग्लोब हेरिटेज फैमिली की जीत बताते हुए कहा कि स्कूल में शैक्षिक अध्ध्यन के साथ बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेलकूद, मानसिक विकास के लिए आर्ट एवं क्राफ्ट व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़ कर बच्चों को प्रतिभागिता हमेशा कराई जाती रहेगी।

मदर टीचर स्कूल बरनाला में नारी शक्ति विषय पर हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

बरनाला, 18 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) मदर टीचर स्कूल बरनाला में दिनांक 18 अप्रैल 2026 को हिंदी कविता उच्चारण प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय नारी शक्ति रखा गया, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों ने महिलाओं के सम्मान, साहस और योगदान को अपनी कविताओं के जरिए प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में दसवीं कक्षा के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास और स्पष्ट उच्चारण के साथ मंच पर अपनी प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सराहा। निर्णायक मंडल में शामिल श्रीमती रूही जिंदल तथा श्री मान मनजोत सिंह ने प्रतिभागियों के उच्चारण, भाव-प्रस्तुति और विषय की समझ के आधार पर विजेताओं का चयन किया। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के प्रिंसिपल श्री दलजीत सिंह जी ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की और विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में एंजेल तथा अक्षित जिंदल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। नविका तथा ईशान द्वितीय स्थान पर रहे तथा नेकम ने तृतीय स्थान हासिल किया। इस प्रकार यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, भाषाई कौशल और नारी सम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रही।

हमारा उद्देश्य समाज को दहेज रूपी बुराई से मुक्त करना : कैलाशो सैनी

बाबैन, 18 अप्रैल (राजेश कुमार) : भारत पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल बाबैन में समाज को दहेज नामक बुराई से मुक्त कराने के लिए छात्रों को एक शपथ दिलवाई गई और एक जागरूकता रैली का भी आयोजन करवाया गया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक एवं पूर्व सांसद कैलाशो सैनी जी ने बच्चों को दहेज रूपी सामाजिक बुराई अर्थात दहेज प्रथा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा भारतीय समाज की एक ऐसी प्रथा है जिसने वर्षों से सामाजिक संरचना को कमजोर किया है दहेज का अर्थ बताते हुए उन्होंने बताया कि विवाह के समय कन्या पक्ष द्वारा वर पक्ष को धन वस्त्र आभूषण वहां संपत्ति आदि देना यह परंपरा कभी स्वेच्छा से दिए जाने वाले उपहार तक सीमित थी लेकिन धीरे-धीरे यह अनिवार्य मांग बन गई जिसने समाज में कई गंभीर समस्याओं को जन्म दिया। दहेज का शाब्दिक बताते हुए सबको संबोधित करते हुए प्रिंसिपल सुनीता खन्ना ने कहा कि विवाह के समय दिया जाने वाले यह उपहार अब प्यार का परिचायक नहीं बल्कि लालच का परिचायक बन गया। इसके बहुत ही भयंकर परिणाम निकलने लगे और कन्या की भ्रूण हत्या की जाने लगी। समाज में लड़कियों की कमी होने लगी। पूर्व सांसद कैलाशो सैनी ने सभी नवयुवकों से श्री रामचंद्र जी के रूप में उभरकर इस राक्षस को खत्म करने का आह्वान किया तभी हमारा समाज दहेज मुक्त समाज बन पाएगा। इस अवसर पर बच्चों से रैली के दौरान दहेज विरोधी नारे जैसे आओ नया मुकाम बनाओ दहेज प्रथा को दूर भगाओ। वक्त की आवाज सुन, दहेज मुक्त विवाह चुन आदि नारे लगवाए गए और आने वाली पीढ़ी को दहेज के खिलाफ जागरूक किया गया।

जय वाटिका पब्लिक स्कूल में इको क्लब के अंतर्गत 'वेस्ट टू वंडर' गतिविधि का सफल आयोजन

बरनाला, 18 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और विद्यार्थियों में सृजनात्मकता विकसित करने के उद्देश्य से जय वाटिका पब्लिक स्कूल के इको क्लब द्वारा कक्षा 6वीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 'वेस्ट टू वंडर' गतिविधि का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने छात्रों को न केवल पर्यावरण के महत्व से जोड़ा, बल्कि उन्हें बेकार समझी जाने वाली वस्तुओं को उपयोगी और आकर्षक रूप देने की प्रेरणा भी दी। इस गतिविधि में विद्यार्थियों ने पुराने डिब्बों, प्लास्टिक की बोतलों, कार्डबोर्ड, अखबार, कपड़े के टुकड़ों और अन्य अनुपयोगी सामग्री का उपयोग कर सुंदर और उपयोगी पेन स्टैंड तैयार किए। बच्चों की रचनात्मकता, रंगों का संयोजन और कलात्मक सोच देखने लायक थी। हर एक पेन स्टैंड अपने आप में अनोखा और संदेश देने वाला था कि कचरा नहीं, यह तो संसाधन है। विद्यार्थियों के बनाए हुए पेन स्टैंड को प्रदर्शित किया गया। शिक्षकों और अन्य विद्यार्थियों ने इन कलाकृतियों की सराहना करते हुए बच्चों का उत्साह बढ़ाया। इस गतिविधि ने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ 'रीयूज और रीसायकल' की भावना को व्यवहार में अपनाने का अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ परविंदर कौर जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रेरणादायक शब्दों में कहा— आज के समय में पर्यावरण संरक्षण हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। आप सभी ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि सही सोच और प्रयास हो, तो बेकार वस्तुएं भी अद्भुत बन सकती हैं।

रेलवे रोड पर निगम की टीम ने की छापेमारी, पॉलिथीन मिलने पर छह दुकानदारों के काटे चालान

छापेमारी में बरामद पॉलिथीन की जब्त, आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई

यमुनानगर, 18 अप्रैल (दिनेश कुमार) : सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्रतिबंधित पॉलिथीन पर रोक लगाने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर रेलवे रोड क्षेत्र में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत निगम की टीम ने नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान सफाई निरीक्षक सुशील शर्मा, स्वच्छ भारत मिशन के आईईसी विशेषज्ञ आकाश तथा होमगार्ड के जवानों की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। टीम ने प्यारा चौक के आसपास कई दुकानों की जांच की, जहां छह दुकानदारों के पास से प्रतिबंधित पॉलिथीन बरामद की गई। जांच के दौरान पाया गया कि ये दुकानदार प्रशासन के निर्देशों के बावजूद अवैध रूप से पॉलिथीन का उपयोग कर रहे थे। नियमों के उल्लंघन पर नगर निगम की टीम ने सभी छह दुकानदारों के चालान किए और उनके पास से मिली पॉलिथीन को जब्त कर लिया। सफाई निरीक्षक सुशील शर्मा दुकानदारों को सख्त हिदायत दी कि भविष्य में प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें, अन्यथा उनके खिलाफ और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक है और इसके उपयोग पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद कुछ लोग नियमों की अनदेखी कर रहे हैं, जिसके चलते निगम को समय-समय पर इस तरह के अभियान चलाने पड़ते हैं। अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने आम नागरिकों और दुकानदारों से अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें और कपड़े या कागज के थैलों का उपयोग अपनाएं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की छापेमारी आगे भी जारी रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

अल्पाईन स्कूल के छात्राओं को सिखाई म्यूजिक थेरेपी

शाहाबाद मारकंडा, 18 अप्रैल (रूबी) : आर्य कन्या महाविद्यालय के संगीत विभाग द्वारा सांगीतिक आउटरीच गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि के अंतर्गत महाविद्यालय की संगीत विभाग की छात्राओं ने विभागाध्यक्षा डा. स्वरित शर्मा के निर्देशन में अल्पाईन पब्लिक स्कूल पहुंचकर वहां के विद्यार्थियों को संगीत के सार्वभौमिक प्रभाव से अवगत कराया। महाविद्यालय की छात्रा अमनप्रीत ने विद्यार्थियों को म्यूजिक एक थेरेपी है इसकी जानकारी दी, जिससे शारीरिक और मानसिक बीमारियों का ईलाज किया जाता है। तनाव डिप्रेशन को कम करने के साथ-साथ यह दर्द प्रबंधन में भी सहायक है। बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा महक ने बताया कि संगीत याददाश्त को मजबूत करता है और एकाग्रता बढ़ाता है, इसके अलावा अनिद्रा दूर करने में भी संगीत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। डा. स्वरित शर्मा ने भी छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगीत से जुडने वाला व्यक्ति अक्सर बीमारियों से दूर रहता है। उन्होंने बताया कि किस तरह शास्त्रीय संगीत में राग भैरवी सुनने से अनिद्रा दूर होती है और राग पीलू से रक्त संबंधित समस्याएं खत्म होती हैं। अल्पाईन स्कूल के छात्रों ने उत्साहित होकर इन सब बातों को समझा और सीखा। विद्यालय की प्राचार्या आरती अरोड़ा एवं स्कूल प्रशासन ने कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग दिया।

गेहूं खरीद में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, किसानों को समय पर मिलेगा भुगतान : कृष्ण कुमार बेदी

नरवाना, 18 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने शुक्रवार को नरवाना की नई अनाज मंडी का दौरा कर गेहूं खरीद व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खरीद एजेंसियों, प्रशासनिक अधिकारियों और ट्रांसपोर्टरों के साथ बैठक कर मौजूदा हालात की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। मौके पर एसडीएम जगदीश चंद्र भी मौजूद रहे। मंत्री बेदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसानों की मेहनत का पूरा सम्मान होना चाहिए और खरीद प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में खरीद प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और सुचारू ढंग से संचालित की जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।बैठक के दौरान मंत्री ने बताया कि नरवाना की मंडियों में अब तक लगभग 21 लाख क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है जिसमें से करीब साढ़े आठ लाख क्विंटल की खरीद की जा चुकी है। साथ ही खरीदे गए गेहूं का 10 प्रतिशत से अधिक उठान भी पूरा किया जा चुका है।उन्होंने तकनीकी व्यवस्थाओं पर जोर देते हुए कहा कि पोर्टल या डिजिटल सिस्टम में आ रही किसी भी समस्या को तुरंत दूर किया जाए। डिजिटल प्रणाली का उद्देश्य प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाना है इसलिए तकनीकी खामियों के कारण किसानों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।मंत्री बेदी ने कहा कि सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और उनकी फसल का भुगतान समय पर सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण कुछ स्थानों पर खरीद प्रभावित हुई है लेकिन अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर फसल की गुणवत्ता को सुरक्षित रखा जाए।उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने की सलाह दी, ताकि मंडियों में व्यवस्था सुचारू बनी रहे और किसानों को बेहतर सुविधाएं मिलती रहें।इस मौके पर मार्केट कमेटी सचिव पूजा रत्तव्य, डीएफएससी राकेश आर्य, हैफेड प्रबंधक सुनीता, निरीक्षक टहल सिंह सहित भाजपा जिलाध्यक्ष तेजेंद्र ढूल, मार्केट कमेटी चेयरमैन अमित ढाकल, मंडी एसोसिएशन प्रधान जयदेव बंसल, मंडल अध्यक्ष दिनेश गोयल समेत अनेक अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार है योग : डॉ. मंजू शर्मा

तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण का समापन, प्रेरणा वृद्ध आश्रम में योग शिविर का दूसरा दिन उत्साहपूर्वक सम्पन्न

कुरुक्षेत्र, 18 अप्रैल (सुदेश कुमार) : जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा ने कहा कि योग स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार है। नियमित योगाभ्यास से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। विशेष रूप से बुजुर्गों के लिए योग अत्यंत लाभकारी है, जिससे उनकी जीवन गुणवत्ता में सुधार होता है। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महानिदेशक आयुष हरियाणा के निर्देशानुसार एवं हरियाणा योग आयोग के तालमेल से, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी कुरुक्षेत्र डॉ. मंजू शर्मा के दिशा-निर्देश में प्रेरणा वृद्ध आश्रम में चल रहे विशेष योग शिविर का आज दूसरा दिन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इसी के साथ आयुष योग सहायकों के तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी समापन हुआ। योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण जिला योग कोऑर्डिनेटर डॉ. जागीर एवं जिला प्रोग्राम मैनेजर जितेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न करवाया गया। इस प्रशिक्षण में योग विशेषज्ञ मनजीत द्वारा योग सहायकों को ग्रीवा चालन, कटि चालन, ताड़ासन, वृक्षासन, शशांक आसन, वज्रासन एवं प्राणायाम सहित विभिन्न योग क्रियाओं का विधिवत अभ्यास करवाया गया तथा उनके सही तरीके एवं लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रेरणा वृद्ध आश्रम में आयोजित शिविर के दौरान योग सहायक हरदीप सिंह, डिंपल रानी एवं रोहतास कुमार द्वारा बुजुर्गों को सूक्ष्म व्यायाम एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया। साथ ही उन्हें योग के नियमित अभ्यास से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभों के बारे में भी जागरूक किया गया। इस शिविर के सफल आयोजन में प्रेरणा वृद्ध आश्रम के संरक्षक जय भगवान सिंगल, अध्यक्ष जसबीर गुंबर, उपाध्यक्ष किरण गर्ग, जनरल सेक्रेटरी हरिकेश पपोसा, मेंबर नरेश कुमार गर्ग एवं सुरेखा का विशेष सहयोग रहा, जिनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से बुजुर्गों के लिए यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है। शिविर में उपस्थित बुजुर्गों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे योग शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए। सभी योग सहायकों एवं प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लिया। आयुष विभाग कुरुक्षेत्र द्वारा जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा के नेतृत्व में भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर जारी रखा जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग योग को अपनाकर स्वस्थ जीवन जी सकें।

भारतीय शिक्षा मंडल पंजाब द्वारा 57वें स्थापना दिवस पर सेमिनार का आयोजन

फाजिल्का, 18 अप्रैल (बख्शीश सिंह/जसप्रीत सिंह) ~बीते दिन क्षेत्र के प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान नेशनल डिग्री कॉलेज, चुवाड़ियांवाली, फाजिल्का में भारतीय शिक्षा मंडल पंजाब प्रांत की ओर से भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर एक विशेष सेमिनार आयोजित किया गया। यह सेमिनार मंडल के 57वें स्थापना दिवस के अवसर पर 15 अप्रैल 2026 को संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन मनीष खुंगर (मंच संचालक), डॉ. सुरिंदर सिंह (अध्यक्ष) तथा डॉ. संदीप कुमार धूड़िया के मार्गदर्शन में किया गया।

सेमिनार में श्री जतिंदर जी मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।अपने संबोधन में श्री जतिंदर जी ने विद्यार्थियों को कहा कि हमें प्राचीन शिक्षा पद्धति, भारतीय संस्कृति और भारतीय परंपराओं को अपनाते हुए नैतिक मूल्यों और उत्तम आचरण को अपने जीवन में स्थान देना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्ता से अवगत कराया और जीवन में संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अंत में कॉलेज के चेयरमैन जसपाल सिंह संधू, समूची प्रबंधन समिति तथा प्रिंसिपल डॉ. रचना महिरोक ने उपस्थित अतिथियों का धन्यवाद किया और उन्हें सम्मान चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

बेकाबू ट्रक दीवार से टकराया, उड़े परखच्चे

जालंधर 18 अप्रैल (निस) शहर के पठानकोट चौक के पास दादा अस्पताल के बाहर सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। दरअसल, ट्रैक्टर-ट्रॉली को बचाने के चक्कर में एक ट्रक बेकाबू होकर दीवार से टकरा गया, जिससे ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि इस हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ और चालक सुरक्षित बच गया। ट्रक का संतुलन बिगड़ने के कारण हुआ हादसा-जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 6 बजे ट्रक नकोदर से हाजीपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान अचानक एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ट्रक के सामने आ गई। ट्रक चालक ने उसे बचाने के लिए तुरंत दिशा बदली, लेकिन संतुलन बिगड़ने के कारण ट्रक सड़क किनारे दीवार से टकरा गया। मौके पर पहुंची पुलिस -हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का कैबिन और चेसी बुरी तरह टूट गए।

शिक्षा बोर्ड द्वारा एआई पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में सृजनकर्ता के रुप में तैयार करने पर जोर दिया

चंडीगढ़, 18 अप्रैल (निस)पंजाब की शिक्षा व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को शामिल करने की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हुए पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड (पीएसईबी) द्वारा यहां सी.आई.आई. के नॉर्दर्न रीजन मुख्यालय में आयोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज गूगल और इंटेल द्वारा व्यावहारिक वर्कशॉप के साथ समाप्त हो गया।इस सम्मेलन ने क्लासरूम में एआई को शामिल करने के लिए एक उपयुक्त रोडमैप तैयार करने हेतु नीति निर्माताओं, शिक्षकों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के लिए विचार-विमर्श का एक सार्थक मंच प्रदान किया। यह रोडमैप सीखने की गुणवत्ता में सुधार, पहुंच बढ़ाने और विद्यार्थियों को केवल उपभोक्ता न बनाकर प्रौद्योगिकी के निर्माता के रूप में तैयार करने पर केंद्रित होगा। पी.एस.ई.बी. के चेयरमैन डॉ. अमरपाल सिंह, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने एआई के नैतिक उपयोग पर जोर दिया और कहा कि इसका उपयोग शिक्षार्थियों की रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल को निखारने के लिए किया जा सकता है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ एआई-आधारित उपकरण हमारे स्थायी साथी बन गए हैं, विद्यार्थियों से आग्रह किया गया कि वे ऐसे उपकरणों का चुनाव उसी तरह पूरी समझदारी और परख से करें, जैसे हम अपने मित्रों का चुनाव करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को एआई का उपयोग पूरी जिम्मेदारी से और एक स्पष्ट कानूनी एवं नैतिक ढांचे में रहकर करने के लिए प्रोत्साहित किया, जो मुख्य उद्देश्यों से समझौता किए बिना उनके लिए सीखने में लाभकारी साबित हो।गूगल के नेतृत्व वाले सत्र में शिक्षा में एआई की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया, जिसमें संवेदनशीलता और जागरूकता-निर्माण पर जोर दिया गया। विचार-विमर्श के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि शिक्षकों से लेकर प्रशासकों तक, शिक्षा प्रणाली के प्रमुख हिस्सेदार पहले से ही एआई-आधारित दृष्टिकोण से जुड़ रहे हैं और इसे अपना रहे हैं, जो इस बदलाव के लिए हमारी मजबूत तैयारी को दर्शाता है।सम्मेलन का एक मुख्य हिस्सा कार्य स्थल पर एआई का उपयोग विषय पर इंटेल की व्यावहारिक कार्यशाला थी, जिसमें 112 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एआई उपकरण स्थापित करने पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें डेटा गोपनीयता, जिम्मेदारी से उपयोग और संगठन-विशिष्ट या संवेदनशील जानकारी को अनजाने में साझा करने जैसी स्थितियों की रोकथाम के लिए सुरक्षा उपायों पर जोर दिया गया।

सर्किल सन्नौरी अड्डा ने पोषण पखवाड़ा मनाया

पटियाला, 18 अप्रैल (रुपाणा) सोशल सिक्योरिटी, महिला और बाल विकास विभाग 8 अप्रैल से 22 अप्रैल, 2027 तक 8वां पोषण पखवाड़ा मना रहा है। इसके तहत, सर्किल सनोरी अड्डा सेंटर नंबर 123 राजिंदर कौर पर भी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम ऑफिसर प्रदीप गिल की लीडरशिप में यह पोषण पखवाड़ा मनाया गया। यह पोषण पखवाड़ा बच्चों, गर्भवती महिलाओं और दूध पिलाने वाली माताओं के लिए न्यूट्रिशन के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए एक देशव्यापी पहल की तरह है। यह दो हफ्ते में होने वाला कैंपेन पूरे राज्य में न्यूट्रिशन अवेयरनेस, कम्युनिटी पार्टिसिपेशन और सस्टेनेबल प्रैक्टिस पर फोकस्ड एक्टिविटीज़ की एक सीरीज़ को मज़बूत करने की दिशा में एक कदम है। इसके साथ ही, ष्ट्रक्रू मॉड्यूल के ज़रिए कुपोषण के मैनेजमेंट पर भी ज़ोर दिया गया इसके अलावा, बच्चों के लिए बैलेंस्ड डाइट, फिजिकल एक्टिविटी और हेल्दी आदतों को बढ़ावा देकर बचपन के मोटापे से निपटने के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल को बढ़ावा देने पर खास ज़ोर दिया गया। इस पखवाड़े में लोगों में जागरूकता और समुदाय की सक्रिय भागीदारी के ज़रिए कुपोषण को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर आउटरीच और सेंसिटाइज़ेशन की कोशिशें भी शामिल हैं। इस मौके पर सुपरवाइज़र भोली मैडम, अमनवीर सिंह, मोहित शर्मा, नगर निगम से ईशा शर्मा और सर्कल की दूसरी आंगनवाड़ी वर्कर और महिलाएं मौजूद थीं।

बागडू कला गांव की व्यायामशाला में पड़ा मिला युवक का शव परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

सफीदों,18 अप्रैल (एस. के.मित्तल): उपमंडल के गांव बागडू कला में शुक्रवार को गांव की व्यायामशाला में एक युवक का शव पड़ा मिला। मृतक युवक की पहचान गांव बागडू कला निवासी अंकित (21) के रूप में हुई है। मामले की सूचना सरफाबाद चौंकी पुलिस को दी गई। सूचना पाकर चौंकी इंचार्ज दिलबाग सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर सफीदों के नागरिक अस्पताल में रखवाया। इस मामले में परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस को दिए बयान में मृतक अंकित के पिता बिजेंद्र शर्मा ने कहा कि उसका लड़का गुड़गांव की प्राइवेट कंपनी में काम करता है। 15 अप्रैल को वह घर आया था। व्यायामशाला में शव पड़ा होने की सूचना उन्हें मिली। जब उन्होंने मौके पर जाकर देखा तो, उनके मुंह से झाग व नाक से खून निकले हुए मिले। ऐसे में उन्हें आशंका है की किसी ने उसको या तो जहरीला पदार्थ खिलाया है व या कोई गहरी चोट पहुंचाकर उसको मारा गया।

शिव मंदिर कुटीया में मनाया जायेगा परशुराम जयंती उत्सव

सुनाम 18 अप्रैल (मोहन शर्मा) भगवान परशुराम जी का जन्म उत्सव शिवकुटी

मंदिर नजदीक पुराना हॉस्पिटल में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अभराव ब्राह्मण सभा और महिला कीर्तन मंडल द्वारा धूमधाम से मनाया जा रहा है जिसमें भीम शर्मा जी पत्नी सहित मुख्य यजमान के रूप में आज पूजन कर रामायण जी का पाठ आरंभ करवाया भीम जी और उनकी धर्मपत्नी सनातनी कार्यों के लिए हमेशा आगे रहते हैं और बड़े ही श्रद्धा से सारे कार्य में बढ़-कर ब्राह्मण समाज का साथ देते हैं वह ब्राह्मण सभा के कार्यकारिणी मेंबर भी हैं कल सुबह भगवान परशुराम जी का जन्म उत्सव मनाया जाएगा भंडारा अटूट चलेगा सभी अपना समय निकालकर भगवान परशुराम जी के चरणों में नतमस्तक हो गुजारिश शहर वासियों को की गई।

प्रधानमंत्री मोदी ..

पृष्ठ एक का शेष ...नहीं भूलेंगी। उन्होंने कहा कि महिलाएं कई बातें भूल सकती हैं, लेकिन वे अपने अपमान को कभी नहीं भूलतीं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और सपा जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशी से तालियां बजा रही थी। महिलाओं से उनके अधिकार छीनकर ये लोग मेजें थपथपा रहे थे। उन्होंने जो किया, वो केवल टेबल पर थाप नहीं थी, वो नारी के स्वाभिमान पर, उसके आत्मसम्मान पर चोट थी। उन्होंने कहा कि नारी सब भूल जाती है, लेकिन अपना अपमान कभी नहीं भूलती। इसलिए संसद में कांग्रेस और उसके सहयोगियों के व्यवहार की कसक हर नारी के मन में हमेशा रहेगी। संसद में नारीशक्ति वंदन संशोधन का जिन भी दलों ने विरोध किया है, वे लोग नारी शक्ति को हलके में ले रहे हैं। वो ये भूल रहे हैं कि 21वीं सदी की नारी देश की हर घटना पर नजर रख रही है। वो उनकी मंशा भाप रही हैं और सच्चाई भी भलीभांति जान चुकी है। इसलिए महिला आरक्षण का विरोध करके जो पाप विपक्ष ने किया है, इसकी उन्हें सजा जरूर मिलेगी। इन दलों ने संविधान निर्माताओं की भावनाओं का भी अपमान किया है। इस विधेयक के तहत, 2011 की जनगणना के आधार पर किए गए परिसीमन के बाद, 2029 के संसदीय चुनावों से पहले महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए लोकसभा सीटों को वर्तमान 543 से बढ़ाकर 816 किया जाना था।

राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में भी महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को शामिल करने के लिए सीटें बढ़ाई जानी थीं।

महिला आरक्षण के पीछे सरकार की मंशा ठीक नहीं थी....प्रियंका गांधी

पृष्ठ एक का शेष ... विपरीत कहने से फर्क नहीं पड़ता, देश की महिलाएं देख रही हैं।संशोधन बिल की टाइमिंग पर सवाल उठाकर प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, एक दिन पहले तक किसी को नहीं मालूम था कि क्या आने वाला है। हम सभी को मसौदा एक दिन पहले दिखाया गया। हम सोच रहे थे कि ये क्यों हो रहा है। ये पूरी साजिश रची गई थी, जिससे किसी न किसी तरह से सत्ता में बने रहने की साजिश रची गई। महिलाओं का इस्तेमाल करने का आरोप लगाकर प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि इन्होंने सोचा था कि महिलाओं के नाम पर आरक्षण ले लें, अगर ये लोग सहमत होते हैं, तब पारित होगा। सारी की सारी स्वतंत्रता हमें मिल जाएगी। किसी भी तरह से परिसीमन हो जाएगा। 2011 के हिसाब से परिसीमन किया गया, तब जाति जनगणना का भी असर नहीं होगा। उन्होंने सोचा था कि पारित नहीं होगा, तब हर नेता को महिला विरोधी कहकर महिलाओं के मसीहा बन जाएंगे। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि पीएम मोदी ने कई बार अपने भाषण में कहा कि अगर आप इससे सहमत नहीं होते हैं, तब आप यहां नही बैठ सकते है। हम चौंके थे कि इनकी मंशा क्या थी। मेरे ख्याल से पूरी साजिश जो रची गई कि हमें सत्ता में रहना है।

संक्षिप्त समाचार

शगुन के पैसे जमा कराने आए बुजुर्ग को ठगों ने बनाया निशाना, एक काबू

लुधियाना 18 अप्रैल (निस) जिले में लूट और ठगी के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। ग्यासपुरा इलाके में स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम में पैसे जमा करवाने आए एक व्यक्ति के साथ धोखाधड़ी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शातिर ठगों ने मदद का झांसा देकर एक बुजुर्ग की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ कर दिया। हालांकि, पीड़ित की बहादुरी और सतर्कता के चलते एक आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया गया, जिसे बाद में पुलिस के हवाले कर दिया गया। इस पूरी वारदात की रोंगटे खड़े कर देने वाली सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसमें आरोपियों की चालाकी साफ देखी जा सकती है। मिली जानकारी के अनुसार, स्क्रैप का काम करने वाले राम बरन वर्मा के घर में हाल ही में खुशियों ने दस्तक दी थी।

अमरनाथ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह, बैंक के बाहर लंबी कतारें

जालंधर 18 अप्रैल (निस) बाबा बर्फानी के भक्तों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। दरअसल, श्री अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए पंजीकरण शुरू होते ही जालंधर के श्रद्धालु बड़ी संख्या में बैंक पहुंच रहे हैं। अली मोहल्ला स्थित छ्र्र्य बैंक के बाहर सुबह से ही रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए लंबी कतारें लग गईं। मीडिया से बातचीत करते हुए एक श्रद्धालु ने बताया कि सुबह 7 बजे से लाइन में लगी हैं और इस बार वह तीसरी बार अमरनाथ यात्रा पर जा रही हैं। लंबी कतारों से उन्हें कोई परेशानी नहीं है, क्योंकि यात्रा के लिए यह छोटी सी बात है। वहीं अन्य श्रद्धालु ने बताया कि वह पहली बार यात्रा पर जा रहे हैं, लेकिन बैंक का सिस्टम ढीला होने के कारण उन्हें रजिस्ट्रेशन में दिक्कत हो रही है।उधर, बैंक के ब्रांच मैनेजर संजय कुमार के अनुसार रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और यह रोजाना सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक की जा रही है। पहले दिन करीब 100 लोगों का रजिस्ट्रेशन किया गया था। साथ ही उनका कहना है कि श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए समय बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। साथ ही व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक बार में 20 लोगों को ही बैंक के अंदर जाने दिया जा रहा है।

पति की मौत के बाद आए फोन ने किया गुमराह

अबोहर 18 अप्रैल (निस) पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हेरोइन सहित महिला और उसके ससुर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, अबोहर की खुईयां सरवर पुलिस ने गश्त के दौरान बहू और ससुर को 20 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। इनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि, गत रात पुलिस टीम गांव तूतावाला के पास गश्त कर रही थी। इस दौरान मोटरसाइकिल पर एक महिला व व्यक्ति आते दिखे, जिसे पुलिस ने संदिग्ध देखकर रोक लिया। इस दौरान जब दोनों की तलाश ली गई तो उनके पास से 20 ग्राम हेरोइन जब्त की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान ससुर जोगिंदर सिंह पुत्र हरनाम सिंह और बहू सुखविंदर कौर पत्नी सुरेंद्र निवासी गांव तूतावाला के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ NDPS के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस दोनों को कोर्ट पेश कर के रिमांड हासिल करेगी। उसके बाद दोनों से पूछताछ की जाएगी कि इन्होंने हेरोइन कहां से ली और कहां सप्लाई करने थी।

पति की मौत के बाद आए फोन ने किया गुमराह

मामले की जांच के दौरान डीएसपी ने बताया कि, महिला सुखविंदर कौर के पति की मौत हो चुकी है और उसके 2 बच्चे हैं। ससुर जोगिंदर सिंह ने बताया कि उसके बेटे की 3 साल पहले मौत हुई। इस दौरान वह मेहनत मजदूरी करते दोनों बच्चों का पालन पोषण और घर का गुजारा कर रहा था। इस बीच उसकी बहू को किसी का फोन आया। फोन करने वाले ने उसे चिट्टा बेचने का लालच देकर गुमराह कर लिया।

इन्द्रप्रीत कौर दर्दी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक भारत देश हमारा ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्रा. लिमि. पटियाला के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब, सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह से छपवाकर कार्यालय भारत देश हमारा गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, पुरानी प्रेस रोड, पटियाला से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985

2027 के चुनाव में मिसल सतलुज उतारेगी अपने उम्मीदवार-अजयपाल बराड़

चंडीगढ़ 18 अप्रैल (निस) पंजाब के हितों को केंद्र में रखकर संघर्ष करने के लिए प्रतिबद्ध राजनीतिक संगठन मिसल सतलुज पंजाब में एक मजबूत और वैकल्पिक राजनीतिक धारा के रूप में तेजी से उभर रहा है। संगठन का मुख्य उद्देश्य पंजाब के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा करते हुए राज्य को पुन: तरक्की और खुशहाली के मार्ग पर लाना है।

पिछले पाँच वर्षों से पंजाब की जायज़ मांगों के लिए निरंतर संघर्ष कर रही मिसल सतलुज ने हमेशा जन-मुद्दों को प्राथमिकता दी है। संगठन के अनुसार पंजाब आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, जैसे कि युवाओं में बढ़ती बेरोज़गारी, कृषि संकट, दरियाई पानी से जुड़े संवेदनशील मुद्दे, औद्योगिक पिछड़ापन तथा सांस्कृतिक पहचान पर मंडरा रहे खतरे। मिसल सतलुज इन मुद्दों को केवल राजनीतिक नारों तक सीमित नहीं रखती, बल्कि व्यावहारिक और दूरदर्शी समाधान के माध्यम से नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

संगठन का मानना है कि पंजाब की प्रगति के लिए ऐसी राजनीतिक सोच की आवश्यकता है जो राज्य के प्राकृतिक और आर्थिक संसाधनों पर पंजाब का पहला अधिकार सुनिश्चित करे तथा केंद्र-राज्य संबंधों में संवैधानिक संतुलन को मजबूत बनाए। इसके साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और कृषि क्षेत्रों में नई नीतिगत दृष्टि लाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया, ताकि पंजाब को पुन: विकास की मुख्यधारा में आगे बढ़ाया जा सके।

आज यहाँ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मिसल सतलुज के अध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह बराड़ ने घोषणा की कि मिसल सतलुज वर्ष 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों में सक्रिय रूप से भाग लेगी और पंजाब के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार मैदान में उतारेगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान में विशेष रूप से पंजाब के युवाओं की बड़ी और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

विधायक नरेन्द्र कौर भराज ने भवानीगढ़ में हॉकी एस्ट्रोटर्फ ग्राउंड पर काम शुरु किया

भवानीगढ़/संगरूर 18 अप्रैल (मोहन शर्मा)पंजाब में स्पोर्ट्स को डेवलप करने और युवाओं को हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए मोटिवेट करने के मकसद से, विधायक संगरूर नरिंदर कौर भराज ने भवानीगढ़ के गुरु तेग बहादुर स्टेडियम में हॉकी एस्ट्रोटर्फ ग्राउंड के कंस्ट्रक्शन का काम शुरू किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार राज्य में करीब 08 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से 12 हॉकी एस्ट्रोटर्फ (6 साइड) बना रही है। जिसमें से एक भवानीगढ़ में बन रहा है।इस मौके पर ख्रुनरिंदर कौर भारज ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार का मुख्य मकसद पंजाब की स्पोर्ट्स विरासत को फिर से ज़िंदा करना है। उन्होंने कहा कि एस्ट्रोटर्फ हॉकी ग्राउंड के बन जाने से इलाके के युवाओं को मॉडर्न स्पोर्ट्स सुविधाएं मिलेंगी, जिससे वे अपना टैलेंट निखारेंगे और नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर राज्य का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करने के लिए लगातार कोशिश कर रही है, ताकि युवाओं को सही दिशा मिले और वे ड्रग्स जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहें। यह प्रोजेक्ट नई दिशा, अच्छा भविष्य के कॉन्सेप्ट को और मज़बूत करेगा।भारज ने पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान का खास शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि उनकी लीडरशिप में पंजाब में स्पोर्ट्स ग्राउंड, स्टेडियम और दूसरे इंफ्रास्ट्रक्चर के डेवलपमेंट को नई रफ़्तार मिली है।

फाजिल्का का नाम देशभर में रोशन करने वाले वैभव अरोड़ा को अरोड़ा विकास मंच ने सम्मानित किया

फाजिल्का, 18 अप्रैल (बख्शीश सिंह/जसप्रीत सिंह) ~सीबीएसई द्वारा हाल ही में घोषित दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में फाजिल्का का नाम देशभर में रोशन करने वाले छात्र वैभव अरोड़ा को अरोड़ा विकास मंच की ओर से विशेष रूप से सम्मानित किया गया।मंच के पदाधिकारी वैभव के घर पहुंचे और उसके माता-पिता डिंपल कुमार व शबनम सहित पूरे परिवार को इस उपलब्धि पर बधाई दी। अरोड़ा विकास मंच फाजिल्का के अध्यक्ष अमृत सचदेवा, वरिष्ठ पदाधिकारी राज अरोड़ा, सुनील कक्कड़, अश्विनी बब्बर, प्रिंसिपल राजेंद्र विखोना और अजय ठकराल राधा स्वामी कॉलोनी स्थित वैभव के निवास स्थान पर पहुंचे।इस अवसर पर मंच की महिला विंग की पदाधिकारी एवं होली हार्ट डे बोर्डिंग स्कूल की प्रिंसिपल ऋतु भूसरी और अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे। सभी ने वैभव का मुंह मीठा करवाकर उसे इस शानदार सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

मंच की ओर से 'अरोड़ा प्रतिभा सम्मान' के तहत वैभव और उसके परिवार को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर फाजिल्का के प्रसिद्ध मोटिवेटर एडवोकेट संजीव बांसल मार्शल भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

एडवोकेट मार्शल, अश्विनी बब्बर, प्रिंसिपल विखोना, अजय ठकराल और अध्यक्ष अमृत सचदेवा ने अपने संबोधन में वैभव के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।